PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 17 ● भिलाई, शनिवार 01 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

10 लाख का हीरा चुरा ले गया चूहा

तुमकुरु। कर्नाटक के तुमकुरु से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया. यहां एक ज्वेलरी शॉप से करीब 10 लाख रुपये के हीरे और सोने के गहने रातोंरात गायब हो गए. शुरुआत में दुकान मालिक को लगा कि किसी चोर ने वारदात को अंजाम दिया है, लेकिन जब सीसीटीवी फुटेज देखी गई तो असली 'चोर' को देखकर सभी दंग रह गए. फुटेज में एक चूहा गहनों को घसीटकर ले जाता हुआ दिखाई दिया. यह घटना तुमकुरु शहर के कैलटेक्स सर्किल के पास स्थित विश्वास ज्वेलरी शॉप की है. अगले दिन जब कर्मचारी दुकान पहुंचे तो करीब 50 ग्राम वजन के कई कीमती गहने गायब थे. इनमें हीरे जड़ी अंगूठियां, सोने के हार और अन्य आभूषण शामिल थे, जिनकी कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई गई. हैरानी की बात यह थी कि दुकान का शटर पूरी तरह सुरक्षित था और जबरन घुसने या चोरी के कोई निशान नहीं मिले. ऐसे में कर्मचारियों ने पुलिस में शिकायत करने से पहले दुकान के कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली.

घर में आग बुझाते समय फटा सिलिंडर,10 लोग बुरी तरह घायल

तंजावुर। तमिलनाडु के तंजावुर में एक घर में लगी आग को बुझाने की कोशिश के दौरान रसोई गैस सिलेंडर फटने से किशोरी समेत 10 लोग बुरी तरह घायल हो गए। सात की हालत गंभीर है। यह घटना तड़के करीब दो बजे एक किसान मुरुगायन के घर में हुई। पड़ोसियों ने आग की लपटें देखीं। वे परिवार को बाहर निकालने और आग बुझाने के लिए दौड़े। जब कई लोग आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे, तभी रसोई गैस सिलेंडर में अचानक विस्फोट हो गया। धमाके की चपेट में आकर मुरुगायन, उनकी बेटी अभिनया और आग बुझाने में मदद कर रहे कई पड़ोसी घायल हो गए। कुछ 80 प्रतिशत से अधिक झुलस गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पैलेट गन पर नहीं लगेगी रोक, सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाने से इनकार किया

नईदिल्ली। दिल्ली में छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में कथित पैलेट गन के इस्तेमाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने ग पैलेट गन के इस्तेमाल पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस विशेष स्थितियों में पैलेट गन का इस्तेमाल कर सकती है। पैलेट गन के इस्तेमाल पर एसओपी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहन की बेंच ने पैलेट गन के इस्तेमाल से जुड़ी गाइडलाइन पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। दरअसल पूर्व आईपीएस अधिकारी यशोवर्धन आजाद, प्रशांत कुमार सिंह और शेख इरशाद मंसूरी ने कोर्ट में याचिका लगाई थी। इसमें दावा किया गया था कि 20 जुलाई के संसद मार्च में रैपिड एक्शन फोर्स ने छात्रों पर पैलेट गन चलाई थी।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ के विकास के साथ 'बस्तर विजन' पर की चर्चा...

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सौजन्य भेंट कर छत्तीसगढ़ के समग्र विकास, बस्तर के कायाकल्प तथा राज्य की महत्वपूर्ण अधोसंरचना एवं औद्योगिक परियोजनाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष बदलते छत्तीसगढ़ और विशेष रूप से बस्तर के विकास का रोडमैप प्रस्तुत करते हुए राज्य की तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से सहयोग का आग्रह किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सुरक्षा, विश्वास और विकास की समन्वित रणनीति के परिणामस्वरूप बस्तर आज व्यापक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। दशकों तक नक्सल हिंसा और विकास संबंधी चुनौतियों का सामना करने वाला यह क्षेत्र अब शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रेल, बिजली, हवाई संपर्क, आजीविका, खेल और पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार का लक्ष्य इस परिवर्तन को स्थायी बनाते हुए बस्तर को विकास की मुख्यधारा से पूरी तरह जोड़ना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजनांदगांव में प्रस्तावित लगभग ?10,500 करोड़ की गैस आधारित यूरिया परियोजना को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि परियोजना के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध करा दी गई है तथा राज्य सरकार के स्तर की आवश्यक स्वीकृतियां भी पूरी की जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के स्थापित होने से छत्तीसगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों के किसानों के लिए उर्वरक की उपलब्धता और बेहतर होगी। इसके साथ ही प्रदेश में औद्योगिक निवेश, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार तथा सहायक आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने बस्तर सहित संवेदनशील क्षेत्रों के ऐसे 461 गांवों का विषय भी प्रधानमंत्री के समक्ष रखा, जहां पूर्व में सुरक्षा एवं भौगोलिक कारणों से विद्युत ग्रिड पहुंचाना संभव नहीं हो पाया था और वर्तमान में ऑफ-ग्रिड माध्यम से बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने इन गांवों को स्थायी विद्युत ग्रिड से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार से विशेष सहयोग का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थायी विद्युत आपूर्ति से इन क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, आजीविका और लघु उद्यमों के विस्तार को गति मिलेगी तथा दूरस्थ अंचलों में विकास की प्रक्रिया और मजबूत होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रायपुर अथवा बस्तर में ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफआयुर्वेद की स्थापना के प्रस्ताव पर सकारात्मक पहल का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर और अन्य जनजातीय क्षेत्रों में औषधीय वनस्पतियों एवं पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान की समृद्ध विरासत है। राष्ट्रीय स्तर के आयुर्वेद संस्थान की स्थापना से चिकित्सा, अनुसंधान, शिक्षा और औषधीय वनस्पतियों पर आधारित स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए नई संभावनाएं विकसित होंगी। मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री के समक्ष 'बस्तर विजन' की विस्तृत जानकारी रखते हुए बताया कि 'नियद नेल्ला नार 2.0' और 'बस्तर मुहिम' के माध्यम से बस्तर संभाग के 5,542 गांवों में शासन की योजनाओं और सेवाओं का व्यापक क्रियान्वयन किया जा रहा है जिससे लगभग 39 लाख लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

तकनीक और पारदर्शिता से नागरिक-केंद्रित सुशासन को नई गति

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार तकनीक आधारित, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित सुशासन की दिशा में निरंतर सुधार कर रही है। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से 36 विभागों की 528 सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है, जिससे नागरिकों को सरकारी सेवाओं के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम हुई है और लाखों आवेदनों का समयबद्ध निराकरण संभव हुआ है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से नागरिकों की शिकायतों के त्वरित समाधान और प्रभावी निगरानी की व्यवस्था भी विकसित की गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राजस्व प्रशासन में व्यापक डिजिटल सुधार करते हुए रजिस्ट्री के साथ स्वतः नामांतरण की व्यवस्था लागू की गई है। आधार और वीडियो केवाईसी के माध्यम से घर बैठे रजिस्ट्री की सुविधा ने पूरी प्रक्रिया को अधिक सरल और सुविधाजनक बनाया है। उन्होंने कहा कि इन सुधारों का मूल उद्देश्य शासन को नागरिकों के और निकट लाना तथा सरकारी सेवाओं को अधिक सहज, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्र सरकार के निरंतर सहयोग से छत्तीसगढ़ में विकास की गति तेज हुई है। प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के संकल्प के अनुरूप राज्य सरकार 'विकसित छत्तीसगढ़' के निर्माण के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट का बड़ा फैसला

देश में 5000 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर क्षमता होगी विकसित.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्र सरकार ने देश में नवीकरणीय ऊर्जा को नई गति देने के लिए प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना (पीएम-एसएसवाई) को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 5,070 करोड़ रुपए की इस महत्वाकांक्षी योजना को स्वीकृति मिली। योजना का उद्देश्य देशभर के जलाशयों, बांधों और अन्य उपयुक्त जल निकायों पर फ्लोटिंग सोलर फोटोवोल्टिक परियोजनाओं का विकास करना है। इसके साथ ऊर्जा भंडारण प्रणाली (एनर्जी स्टोरेज सिस्टम) भी स्थापित की जाएगी ताकि बिजली आपूर्ति अधिक स्थिर और भरोसेमंद बन सके। सरकार के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 के बीच 5,000 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर क्षमता विकसित की जाएगी, जिसके साथ कम से कम 10,000 मेगावाट-घंटे की ऊर्जा भंडारण क्षमता होगी। इस योजना से भूमि पर दबाव कम होगा, स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन बढ़ेगा और घरेलू सौर उपकरण निर्माण को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार का अनुमान है कि इससे हर वर्ष लगभग एक करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी और हजारों नए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। दरअसल एक आधिकारिक बयान में सरकार ने बताया कि इस योजना के तहत वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 के बीच 5,000 मेगावाट क्षमता की फ्लोटिंग सोलर परियोजनाएं विकसित की जाएंगी। इन परियोजनाओं के साथ कम से कम दो घंटे की ऊर्जा भंडारण क्षमता, यानी कुल 10,000 मेगावाट-घंटे का एनर्जी स्टोरेज सिस्टम भी स्थापित किया जाएगा।

साल्टलेक में घर में मिला बुजुर्ग दंपत्ति का शव

कोलकाता। महानगर से सटे के पॉश इलाके साल्टलेक के एई (एई) ब्लॉक स्थित एक मकान से गुरुवार सुबह पति-पत्नी के संदिग्ध परिस्थितियों में शव बरामद होने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतकों की पहचान सजल कुमार कुंडू और उनकी पत्नी रंजना कुंडू के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार,बुधवार मृतक दंपत्ति का बेटा अपनी पत्नी के साथ उल्टाडांगा स्थित अपने ससुराल गया हुआ था।

संजय राउत का मोदी पर तीखा हमला

पेपर लीक माफिया आपकी ही पार्टी में

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा से एंटी पेपर लीक बिल पास होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किए जाने पर राजनीति गरमा गई है। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार पर तीखा जुबानी हमला बोला है। राउत ने आरोप लगाया कि देश में पेपर लीक कराने वाले असली माफिया खुद भारतीय जनता पार्टी और उससे जुड़े संगठनों के भीतर बैठे हुए हैं। संजय राउत ने पीएम मोदी के सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब से देश में आपकी सरकार आई है, तब से लगातार पेपर लीक की घटनाएं हो रही हैं। महाराष्ट्र में पेपर लीक के मामले में जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

अभिजीत दीपके का मोदी सरकार पर बड़ा हमला

अमित शाह के आदेश पर छात्रों पर चली थी लाठियां

नई दिल्ली/ एजेंसी

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने गुरुवार को दावा किया कि 20 जुलाई को संसद चलो मार्च के दौरान छात्रों के खिलाफबल प्रयोग का आदेश केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ही दिया होगा और उन्होंने पुलिस कार्रवाई को लेकर उनके इस्तीफे की मांग की। अभिजीत दीपके ने मध्य महाराष्ट्र में अपने गृह नगर छत्रपति संभाजीनगर स्थित आवास पर संवाददाताओं से कहा कि देश में लोकतंत्र खतरे में है और न्यायपालिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं, जबकि केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक दलों को तोड़ने के लिए किया जा रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी ने नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर दिल्ली में एक महीने तक विरोध-प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और केंद्र द्वारा प्रदर्शनकारियों की सभी मांगें मान लिए जाने के बाद विरोध-प्रदर्शन समाप्त हो गया था। अभिजीत दीपके ने कहा कि न्यायपालिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। हम सभी ने देखा है कि किस तरह शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी जैसे दलों को तोड़ने के लिए प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो का इस्तेमाल किया गया। देश की बड़ी संस्थाओं का दायित्व था कि वे लोकतंत्र को बनाये रखें, न कि किसी एक व्यक्ति की तानाशाही स्थापित होने दें।

राजीव प्रताप रुड़ी की पहल पर एसडीआरएफ की चार टीमें युवक की तलाश में जुटीं

पटना । रेवाघाट गंडक पुल से एक युवक के नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या करने की आशंका के बाद सांसद राजीव प्रताप रुड़ी की पहल पर एसडीआरएफ की चार टीमें गुरुवार को खोजबीन में जुट गईं। दो टीमें रेवाघाट तथा दो टीमें सोनपुर की ओर से गंडक नदी में युवक की तलाश कर रही हैं। जानकारी के अनुसार अमनौर थाना क्षेत्र के ढोलाही कैथल गांव निवासी अरुण सिंह के पुत्र उत्तम कुमार, जो पूर्व विधायक चौकर बाबा के निजी सहायक (पीए) राकेश कुमार सिंह के छोटे भाई हैं, बुधवार की सुबह घर से दुकान जाने के लिए निकले।

दिल्ली दंगा केस में बड़ा फैसला

पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को उम्रकैद की सजा का ऐलान

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली दंगों के दौरान हुए आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड मामले में आज कोर्ट ने फैसला सुनाया है। कड़कड़डूमा कोर्ट में पूर्व आम आदमी पार्टी पार्षद ताहिर हुसैन की सजा का ऐलान किया गया है। सजा से पहले दिल्ली पुलिस के जवान बड़ी संख्या में कोर्ट के अंदर और बाहर तैनात कर दिए गए थे। साल 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के चर्चित मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इससे पहले 13 जुलाई को अदालत ने ताहिर हुसैन, नाजिम, कासिम, जावेद और अनस को हत्या, आपराधिक साजिश और अन्य गंभीर आरोपों में दोषी ठहराया था। सजा पर सुनवाई पूरी होने के बाद शुक्रवार को कोर्ट ने सभी दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सजा सुनाते हुए अदालत ने कहा कि यह अत्यंत गंभीर अपराध था, जिसने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि इस घटना की परिस्थितियां ऐसी थीं, जिन्होंने समाज को गंभीरता से सोचने पर मजबूर किया। हालांकि, सजा पर बहस के दौरान दिल्ली पुलिस ने ताहिर हुसैन समेत सभी दोषियों के लिए मृत्युदंड की मांग की थी, लेकिन अदालत ने मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए सभी को उम्रकैद की सजा सुनाई।

संसद के बाहर विपक्ष ने अनोखे तरीके से उठाया चंदा चोरी का मुद्दा

निर्दलीय सांसद पप्पू यादव चंदा चोर...तो राहुल बने राम भक्त...

नई दिल्ली/ एजेंसी

पेपर लीक के मुद्दे पर सरकार को घेरने के बाद विपक्ष एक बार फिर सरकार को अयोध्या में राम मंदिर में चंदा चोरी के मामले में घेरने में जुट गया है। आज शुक्रवार को संसद भवन परिसर में अनोखा नजारा देखने को मिला। जहां विपक्षी सांसदों ने राम मंदिर चंदा चोरी को लेकर अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन करते नजर आए। विपक्षी सांसदों ने संसद भवन के परिसर में नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। इसके जरिए राम मंदिर चंदा चोरी को लेकर एक छोटी सी प्रस्तुति पेश की गई। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कई अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान विपक्ष ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा और मामले पर संसद में चर्चा कराए जाने और जवाबदेही तय करने की मांग की गई। नुक्कड़ नाटक में बिहार के पूर्णिया क्षेत्र से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव पुजारी बने नजर आए। पप्पू यादव पुजारी के वेश में संसद भवन के मकर द्वार पहुंचे और फिर दान पेटी के साथ वहां कुछ समय तक बैठे हुए थे। इस दौरान सपा सांसद डिंपल यादव ने उनके पास दान पेटी रखी। इसके कुछ देर बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वहां पहुंचे और दान पेटी में कुछ पैसे डाल दिए। इसके बाद कई और विपक्षी सांसदों ने दान पेटी में पैसे डाले। इसके बाद जब राहुल समेत कई दूसरे नेता दान पेटी में पैसे डालने गए तो पप्पू यादव ने वो पैसे दान पेटी से निकालकर अपनी जेब में डाल लिए। इसके जरिए उन्होंने यह दिखाने की कोशिश की कि इसी प्रकार से राम मंदिर

में चढ़ावे की चोरी की गई थी। इसके बाद कई विपक्षी सांसदों ने चोर-चोर और चढ़ावा चोर बोलते हुए पप्पू यादव को घेर लिया। विपक्ष द्वारा किए नुक्कड़ नाटक का हिस्सा रहे फैजाबाद से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि आज इस मुद्दे पर पूरे देश में चर्चा हो रही है। इस लड़ाई की शुरुआत अखिलेश यादव ने की थी, इसे आगे बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी है, जो हमें अयोध्या की जनता ने सौंपी है। अयोध्या भगवान श्रीराम की पावन भूमि है। अगर अयोध्या का अपमान हुआ है, तो हम इस मसले को पूरी दृढ़ता के साथ उठाएंगे। हम संसद में इस मुद्दे पर चर्चा की मांग उठाएंगे। विपक्षी सांसदों ने चंदा चोरी के मुद्दे के साथ प्रदर्शनकारी छात्रों पर दिल्ली पुलिस की कार्रवाई के खिलाफभी संसद परिसर में नारेबाजी की और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने चंदा चोरी के मामले में बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि, अयोध्या राम मंदिर की घटना पर गौर किया जाए तो आप देखेंगे कि चढ़ावा चढ़ाने गए भक्तों को रसीदें नहीं दी गईं। दान पेटी तक पहुंचने से पहले पैसे चुरा लिए गए। जहां पैसों की गिनती होती थी वहां सीसीटीवी कैमरे लगे थे, जिसमें गड़बड़ी के 70 वीडियो रिकॉर्ड हुए। फिर भी बाद में सारा पुराना फुटेज डिलीट कर दिया गया।

हंगामे के बीच लोकसभा से जन्म-मृत्यु पंजीकरण बिल पास, अब बदल जाएंगे नियम; सोमवार तक कार्यवाही स्थगित

लोकसभा में एक बार फिर विपक्ष के हंगामे के कारण शुक्रवार 31 जुलाई को बिना किसी चर्चा के 'जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक' पारित हो गया। लोकसभा में विपक्ष के हंगामे और लगातार नारेबाजी के बीच शुक्रवार को सदन ने 'जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक' को मंजूरी दे दी। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय की ओर से पेश इस विधेयक को पेश किया गया था, जिसे 'ध्वनि मत' से पारित किया गया। बाद में लोकसभा की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

रपटा-नालों में बढ़े जलस्तर के बीच कलेक्टर, एसपी ने किया मैदानी निरीक्षण

जनसुरक्षा सर्वोपरि-भारी वर्षा के बीच कलेक्टर और एसपी ने संभाली कमान

धमतरी। जिले तथा आसपास के क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण नदी.नालों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। कई निचले इलाकों, रपटों, छोटे पुलों एवं पुलियों के ऊपर पानी आ जाने से कुछ मार्गों पर आवागमन अस्थायी रूप से प्रभावित हुआ है। जिला प्रशासन द्वारा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है तथा लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कुकरैल और नगरी सड़क के बीच पड़ने वाले रपटा और कुकरैल नरहरा के बीच रपटा के ऊपर पानी आजाने से आवागमन अस्थायी बंद है। इसी क्रम में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय ने रुद्री बैराज तथा कुकरैल क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण कर जलभराव और आवागमन की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों से मौके की अद्यतन जानकारी प्राप्त की और राहत एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर मिश्रा ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत नगरी सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जलभराव वाले क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखी जाए तथा जहां भी रपटों, पुलों एवं पुलियों के ऊपर पानी बह रहा हो, वहां तत्काल बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक एवं आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने नगर सेना एवं राजस्व अमले को संवेदनशील और चिन्हांकित स्थलों पर तैनात रहने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य के लिए पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में लोगों को उफनते नदी.नालों, रपटों या पुल-पुलियों को पार करने की अनुमति न दी जाए। उन्होंने अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार मुनादी, सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से लोगों को सतर्क करने तथा संभावित जोखिम वाले स्थानों की निरंतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें, जलमग्न मार्गों एवं पुल-पुलियों को पार करने का प्रयास न करें तथा बच्चों को नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों के आसपास जाने से रोकें। किसी भी आपात स्थिति या सहायता की आवश्यकता होने पर तत्काल जिला प्रशासन अथवा जिला आपातकालीन नियंत्रण कक्ष को सूचना दें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है तथा नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

लगातार बारिश में भी आमापारा वार्ड में नहीं हुआ जलभराव

पार्षद विजय मोटवानी की सक्रियता बनी राहत की वजह

धमतरी। जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते जहां कई नदी-नाले उफान पर हैं और शहर के अनेक वार्डों में जलभराव की स्थिति बनी रही, वहीं आमापारा वार्ड इस बार पानी सड़क पर महज कुछ मिनटों में ही निकासी हो गया। हर वर्ष बरसात में सबसे अधिक प्रभावित रहने वाले इस वार्ड में इस बार जलनिकासी व्यवस्था बेहतर रहने से लोगों ने राहत की सांस ली। वार्डवासी इसका श्रेय पार्षद विजय मोटवानी की सक्रियता, सतत निगरानी और त्वरित कार्रवाई को दे रहे हैं। वार्डवासियों के अनुसार पिछले वर्षों में थोड़ी देर की तेज बारिश होते ही कई घरों में पानी घुस जाता था, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। लेकिन इस बार लगातार झमाझम बारिश के बावजूद जलभराव केवल कुछ समय के लिए ही रहा। समय पर पानी की निकासी होने से किसी भी घर में पानी प्रवेश नहीं कर पाया। बारिश के दौरान पार्षद विजय मोटवानी लगातार वार्ड में मौजूद रहे। उन्होंने स्वयं नालियों का निरीक्षण किया और जहां.जहां प्लास्टिक की झिल्लियां व अन्य कचरा जमा मिला, वहां तत्काल सफाई करवाई। नालियां साफहोते ही पानी का बहाव सुचारु हो गया और जलभराव की स्थिति पर शीघ्र नियंत्रण पा लिया गया। वार्ड के युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने पार्षद की कार्यशैली की खुलकर सराहना की। उनका कहना है कि यदि समय रहते नालियों की सफाई नहीं कराई जाती, तो इस बार भी कई घरों में पानी भर जाता। पार्षद की तत्परता और मौके पर मौजूद रहकर किए गए प्रयासों से वार्ड को बड़ी राहत मिली। वार्डवासियों ने कहा कि विजय मोटवानी केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि हर संकट की घड़ी में वार्डवासियों बीच खड़ा रहता है। चाहे जलभराव की समस्या हो, सफाई व्यवस्था हो या अन्य कोई जनसमस्या, वे हमेशा तत्परता से समाधान कराने का प्रयास करते हैं। आमापारा वार्ड के नागरिकों का मानना है कि जनप्रतिनिधि की वास्तविक पहचान विपरीत परिस्थितियों में होती है। इस वर्ष की भारी बारिश के दौरान पार्षद विजय मोटवानी ने जिस तरह मौके पर रहकर जलनिकासी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखाए उससे वार्डवासियों का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। लोगों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी तरह विकास कार्यों और जनसेवा का सिलसिला लगातार जारी रहेगा।

बकायादारों पर प्रशासन सख्त, दो दिन में राशि जमा नहीं करने पर संपत्ति की होगी कुर्की

बलौदाबाजार। विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत बैंको से ऋण लेकर राशि जमा नहीं करने वाले बकायादारों पर प्रशासन द्वारा सख्त कार्यवाही की जा रही है। अंतिम चेतावनी के रूप में दो दिन में राशि जमा करनी होगी अन्यथा उनकी चल-अचल संपत्ति की कुर्की की जाएगी। नायब तहसीलदार बलौदाबाजार सहित बैंक ऑफ़ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक एवं अन्य राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा बलौदाबाजार शहर के बकायादार के घर पर दबिश दिये। इनमे रामजी सेन, नसीम खान, नईम अहमद, रामजी फेकर, इलियास रजक, रीना साहू, मोहम्मद गुलफाम खान एवं अन्य शामिल हैं जिन्होंने विभिन्न योजनाओं के तहत लोन लेकर डिफाल्टर रहे और मांग सूचना जारी होने के बाद भी बकाया राशि जमा नहीं किया है। बकायादारों ने दो दिन में बकाया राशि जमा करने एवं खाता बंद करने की सहमति दी गई। दिये गये समयावधि में राशि जमा नहीं करने पर उनके चल- अचल संपत्ति कुर्क कर नीलामी की कार्यवाही की जाएगी एवं बैंकों की राशि का समायोजन किया जाएगा। यह अभियान लगातार चलता रहेगा इस क्रम में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक,बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक, कैनरा बैंक आदि सभी की वसूली की कार्यवाही की जानी है।

सामाजिक समरसता के संकल्प के साथ भाजपा गंगरेल मंडल ने किया 650 दीप प्रज्वलन

धमतरी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर संत शिरोमणि संत गुरु रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में समरसता संकल्प अभियान का शुभारंभ ग्राम रुद्री स्थित पावन श्री रुद्रेश्वर महादेव मंदिर परिसर में स्वास्तिक की आकृति में 650 दीप प्रज्वलित किए गए। भारतीय संस्कृति में स्वास्तिक मंगल, सुख, समृद्धि, सौभाग्य एवं सकारात्मक ऊर्जा का पवित्र प्रतीक माना जाता है। स्वास्तिकाकार दीप प्रज्वलन के माध्यम से समाज में समरसता, सद्भाव, सुख-समृद्धि और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए दीप प्रज्वलन श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी जनों ने संत गुरु रविदास जी के समता, सामाजिक समरसता, सद्भाव, मानव सेवा एवं राष्ट्रभक्ति के संदेशों को जन.जन तक पहुँचाने तथा उनके आदर्शों पर चलकर समरस समाज के निर्माण का संकल्प लिया। मंडल अध्यक्ष मोनिका देवांगन ने कहा कि संत गुरु रविदास जी का जीवन सामाजिक समरसता, समानता और मानव सेवा का अमूल्य संदेश देता है। उनके विचार आज भी समाज को एकता, सदभाव और राष्ट्रहित के मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि यह समरसता संकल्प अभियान आगामी सात माह तक मंडल के विभिन्न ग्रामों में सेवा, जनसंपर्क, स्वच्छता, सामाजिक समरसता, जनजागरण एवं सेवाभावी से जुड़े विविध कार्यक्रमों के माध्यम से संचालित किया जाएगा तथा माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर संत गुरु रविदास के प्राकट्य दिवस पर इसका भव्य समापन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी गंगरेल मंडल अध्यक्ष मोनिका देवांगन, भाजपा नेता ऋषभ देवांगन, जनपद अध्यक्ष अंगीरा ध्रुव, पद्मिनी साहू, अनीता यादव, मुकेश यादव, लक्ष्मी बया, प्रसून शुक्ला, रूपा देवांगन, सुलोचना देवांगन, कीर्तन साहू, तोमेश साहू, इकेश्वर सिन्हा, अनीता वर्मा, गोपाल साहू सहित भारतीय जनता पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित, सामाजिक समरसता एवं मानव सेवा के संकल्प के साथ भारत माता की जय एवं वंदे मातरम् के उदघोष से हुआ।

समझदार पालक, सशक्त प्रदेश विषय पर बाल आयोग की अनूठी कार्यशाला

धमतरी। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा रुद्री रोड स्थित होटल जिंजर में समझदार पालक, सशक्त प्रदेश विषय पर एक प्रेरणादायी एवं सहभागितापूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अभिभावकों को बच्चों के समग्र विकास, सकारात्मक पालन.पोषण एवं बदलते सामाजिक परिवेश में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक एवं सशक्त बनाना था। कार्यशाला में बड़ी संख्या में अभिभावक दंपत्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूरे कार्यक्रम के दौरान सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर रामू रोहरा ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए केवल शिक्षा ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि परिवार का सकारात्मक वातावरण और जागरूक अभिभावक भी उतने ही आवश्यक हैं। उन्होंने राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ वर्णिका शर्मा ने कहा कि किसी भी बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की पहली पाठशाला उसका परिवार होता है और उसके प्रथम शिक्षक माता.पिता होते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा, सुरक्षित एवं संवेदनशील वातावरण, संवादपूर्ण पारिवारिक संस्कृति तथा भावनात्मक सहयोग प्रत्येक अभिभावक की जिम्मेदारी है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के साथ समय बिताने, उनकी भावनाओं को समझने, उनकी बात धैर्यपूर्वक सुनने तथा विश्वास का वातावरण विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समझदार पालक ही सशक्त समाज और विकसित प्रदेश की नींव रखते हैं। रायपुर से आईं प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक डॉ गार्गी पांडे ने बदलते समय में बच्चों के व्यवहार, मानसिक स्वास्थ्य, डिजिटल युग की चुनौतियों तथा अभिभावकों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि माता.पिता का व्यवहार बच्चों के आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और भविष्य को सीधे प्रभावि करता है। उन्होंने व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से अभिभावकों को बच्चों के साथ प्रभावी संवाद, सकारात्मक अनुशासन तथा भावनात्मक जुड़ाव के सरल एवं उपयोगी उपाय बताए। कार्यशाला में अभिभावकों के लिए अनेक सहभागितापूर्ण एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया जिनमें दंपत्तियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में अधिकांश अभिभावकों ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस प्रकार का आयोजन उन्होंने पहली बार देखा, जहां केवल बच्चों की नहीं बल्कि माता.पिता की जिम्मेदारियों और व्यवहार पर भी गंभीर एवं व्यवहारिक चर्चा की गई। उपस्थित दंपत्तियों ने आयोग से आग्रह किया कि ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएं ताकि अधिक से अधिक परिवार इसका लाभ उठा सकें। कार्यक्रम का प्रभाव केवल सभागार तक सीमित नहीं रहा। आयोग की टीम ने नगरी विकासखंड के ग्राम घटुला में भी सामान्य शेड के नीचे बच्चों के बीच पहुंचकर उनसे आत्मीय संवाद किया। बच्चों से उनकी पढ़ाई, सपनों, पारिवारिक वातावरण, खेलकूद, शिक्षा और भविष्य को लेकर खुलकर चर्चा की गई। टीम ने बच्चों को उनके अधिकारों, आत्मविश्वास, शिक्षा के महत्व तथा जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। ग्रामीण परिवेश में आयोजित यह संवाद बच्चों और स्थानीय लोगों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी एवं सार्थक साबित हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन आयोग अध्यक्ष के सचिव दिव्यांशी शर्मा ने प्रभावी एवं सहज शैली में किया। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य, विभिन्न सत्रों तथा गतिविधियों का समन्वय करते हुए अभिभावकों को पूरे कार्यक्रम से जोड़कर रखा। उन्होंने कहा कि राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का उद्देश्य केवल बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना ही नहीं, बल्कि अभिभावकों को जागरूक बनाकर परिवारों में सकारात्मक वातावरण तैयार करना भी है, ताकि प्रत्येक बच्चा सुरक्षित, संस्कारित और आत्मविश्वास से भरपूर भविष्य की ओर अग्रसर हो सके। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, विभागीय अधिकारी, शिक्षाविद्, समाजसेवी तथा बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यशाला ने अभिभावकों को बच्चों के साथ बेहतर संबंध स्थापित करने, उनके मानसिक एवं भावनात्मक विकास को समझने तथा सकारात्मक अभिभावकत्व की दिशा में एक नई सोच प्रदान की।

लोकसभा में लोक परीक्षा संशोधन विधेयक 2026 के पारित होने का किया स्वागत

बलौदाबाजार। प्रदेश मंत्री एवं भाजपा जिला प्रभारी अमित साहू ने लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 के पारित होने का स्वागत करते हुए इसे देश के करोड़ों युवाओं के सुरक्षित भविष्य, ईमानदार प्रतिभा और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार युवाओं के सपनों, उनके परिश्रम और उनके भविष्य की रक्षा के लिए निरंतर ठोस एवं प्रभावी निर्णय ले रही है। यह संशोधन उसी दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। भाजपा प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी साहू ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाएं करोड़ों युवाओं की वर्षों की मेहनत, आशाओं और विश्वास का आधार होती हैं। प्रश्नपत्र लीक, नकल माफिया और संगठित परीक्षा अपराध जैसी गतिविधियां न केवल योग्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय करती हैं, बल्कि पूरे परीक्षा तंत्र की विश्वसनीयता को भी प्रभावित करती हैं। ऐसे अपराधों पर कठोर और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया यह संशोधन परीक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाएगा। उन्होंने कहा कि संशोधन विधेयक के माध्यम से परीक्षा संबंधी अपराधों के विरुद्ध दंडात्मक प्रावधानों को और अधिक कठोर बनाया गया है। इससे परीक्षा माफिया, संगठित आपराधिक गिरोहों तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता में शामिल तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई का मार्ग और मजबूत होगा। साथ ही परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियों एवं सेवा प्रदाताओं की जवाबदेही भी और अधिक सुनिश्चित होगी, जिससे पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और विश्वसनीय बनेगी। भाजपा प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हमेशा युवाओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। नई शिक्षा नीति, कौशल विकास, रोजगार सृजन, डिजिटल पारदर्शिता तथा अब परीक्षा प्रणाली को और अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में यह संशोधन युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इससे प्रतिभाशाली और मेहनती युवाओं का विश्वास और अधिक मजबूत होगा तथा निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का निर्माण तभी संभव है, जब युवाओं को उनकी योग्यता और परिश्रम के अनुरूप निष्पक्ष अवसर प्राप्त हों। यह संशोधन उसी सोच को साकार करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है, जो ईमानदार प्रतिभा को संरक्षण देने और परीक्षा सम्बन्धी अनियमितताओं पर कठोर प्रहार करने का कार्य करेगा।

बस चालक पर चाकू से हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

धमतरी। पुलिस अधीक्षक धमतरी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धमतरी एवं एसडीओपी कुरूद के मार्गदर्शन में थाना कुरूद पुलिस ने बस चालक पर हुए चाकूबाजी के मामले में त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। प्रकरण के अनुसार 28 जुलाई 2026 को लगभग दोपहर 3.15 बजे ए जे इंग्लिश स्कूल कुरूद की स्कूल बस बच्चों को उनके घर छोड़ने जा रही थी। इसी दौरान सुनीलम सिनेमा के पास सार्वजनिक शौचालय के सामने मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्तियों ने बस को रोककर चालक से पुरानी रंजिश को लेकर विवाद किया। आरोपियों ने अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी तथा धारदार हथियार से हमला कर चालक को घायल कर दिया। घटना की सूचना पर तत्काल थाना कुरूद में अपराध क्रमांक 228/2026 धारा 296, 115-2, 351-2, 126-2, 118-1, 3-5 बीएनएस एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण, साक्ष्य संकलन एवं गवाहों के कथन के आधार पर आरोपी रोहन साहू पिता सुरेन्द्र साहू, उम्र 21 वर्ष, निवासी मोंगरा थाना कुरूद, हाल पता अमृत विहार कॉलोनी कुरूद को विधिवत गिरफ्तार किया। प्रकरण में शामिल एक विधि से संघर्षरत बालक का सामाजिक पृष्ठभूमि तैयार कर किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश कर किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार वैधानिक कार्यवाही की गई। जांच के दौरान वारदात में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल एवं धारदार हथियार बरामद कर विधिवत जप्त किया गया। आरोपी रोहन साहू को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। धमतरी पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी विवाद का समाधान कानून के दायरे में रहकर करें। हिंसा एवं कानून हाथ में लेने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

योगेश फाउंडेशन के तत्वाधान में पहल एवं प्रयास न्यूट्री हब ने मनाया गुरु पूर्णिमा पर्व

धमतरी। गुरु ज्ञान का भण्डार है, गुरु मार्ग दर्शक है, गुरु एक एहसास है, गुरु प्यार है, गुरु ज्ञान की वाणी है, गुरु हमारे जीवन का चमत्कार है, गुरु मित्र हैं, गुरु भगवान का रूप है, गुरू आध्यात्म की परिभाषा है जिसके मन मे अपने गुरु के लिए सम्मान होता हैएएक दिन उनके कदमों में सारा जहां होती है। उक्त बातें गुरु पूर्णिमा पर्व के अवसर पर योगेश फाउंडेशन के संचालिका अंकिता रवेश मिश्रा ने सुबह पहल न्यूट्री हब गली नम्बर 3 में कही। साथ ही शाम को प्रयास न्यूट्री हब में गुरु पूर्णिमा पूरे कम्यूनिटी के सभी सदस्यों के साथ मनाया गया। उक्त अवसर पर डाक्टर विनोद पाण्डे अस्थि रोग विशेषज्ञ ने अपने उद्बोधन में कहा कि गु का अर्थ अंधकार और रु का अर्थ है उसे हटाने वाला, इसलिए गुरु केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि अनुशासन, संस्कार और जीवन जीने की सही दिशा भी देता है। इसी कड़ी में पहल हब के संचालक डॉक्टर राकेश सोनी ने कहा कि हम मानसिक रूप से जितना गुरुमय रहेंगे, हमारे जीवन में उतना ही प्रसन्नता व्याप्त होती हैं। प्रसन्नता की प्राप्ति हेतु स्वयं को किसी ना किसी रूप में खुश, आनंदमय रखने का भाव चिन्तन करना चाहिए। उक्त अवसर पर प्रयास हब के संचालक विपिन श्रीवास्तव ने शाम को अपने कम्यूनिटी सेंटर के सदस्यों से कहा कि गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर निरन्तर हमारे सदगुरु से जुड़ाव हो सके। उनसे हमारी आत्मीयता के चिन्तन में वृद्धि हो सके। इसी कड़ी में मिनाली सोनी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा ऐसा दिवस है जब पुनः अपने को सदगुरू से जोड़ने की क्रिया करना चाहिए। कार्यक्रम के अन्त में स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक भूपेन्द्र मिश्रा ने कहा कि गुरु पूर्णिमा हमें गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर प्रदान करती है। आईए उनके चरणो में श्रद्धा सुमन अर्पित कर ज्ञान भक्ति और सेवा के मार्ग पर चलने का संकल्प ले। उक्त अवसर पर मुख्य रूप से पवन, गोविन्द, राकेश, जगदीश, ए के साहू, नीरज, नंद लाल, यशवंत, इनसु प्रीत, भूपेन्द्र, विनोद पाण्डे, राकेश, अशोक, गोविन्द, विपिन, विजय, भूपेन्द्र रजक, राकेश रोशन, मिनाली, मेनका, हेमा, दुर्गा, शिल्पा, रश्मि, सुनीता, दशोदा, तुलसी, राधिका, संगीता, चन्द्रावती, नव्या, रीता, पार्वती, चैतराम, दीपक, सुधीर मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जिले में अब तक वर्षा 625.2 मि.मी. वर्षा दर्ज

गरियाबंद। चालू मानसून सत्र में एक जून से 29 जुलाई 2026 तक जिले की औसत वर्षा 625.2 मि.मी. दर्ज की गई है। गत वर्ष (पिछले 10 वर्ष के आधार पर) इस अवधि तक 513.4 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई थी। भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसीलवार 29 जुलाई 2026 की स्थिति में सर्वाधिक वर्षा राजिम तहसील में 787.3 मि.मी दर्ज की गई है। इसी प्रकार मैनपुर तहसील में 780.2 मि.मी., फिंगेश्वर तहसील में 704.8 मि.मी., छुरा तहसील में 698.4 मि.मी. और गरियाबंद तहसील में 686.8 मि.मी., देवभोग तहसील में 402.1 मि.मी. एवं अमलीपदर तहसील में 316.9 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

संक्षिप्त समाचार

चार दिन बाद लातनाला से निकली कार, पति-पत्नी के शव बरामद

रायपुर। जिले के लातनाला (माधोपाली पुल) में तेज बहाव के दौरान बह गई कार को चार दिन की कड़ी मशक्कत के बाद बुधवार को एनडीआरएफ एसडीआरएफ और जिला आपदा प्रबंधन की संयुक्त टीम ने बाहर निकाल लिया। कार के अंदर चालक देवनारायण पटेल और उनकी पत्नी के शव बरामद हुए। इस हृदयविदारक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया रेस्क्यू अभियान के दौरान कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू और पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा मौके पर मौजूद रहे। कार मिलने की सूचना से लेकर दोनों शवों को बाहर निकालने तक उन्होंने अभियान की लगातार निगरानी की। यह हादसा रविवार शाम को हुआ था, जब तेज बहाव में कार लातनाला में बह गई थी। लगातार बारिश और तेज धारा के कारण बचाव अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर और कोरबा से पहुंची एनडीआरएफ एसडीआरएफ तथा जिला आपदा राहत टीमों ने संयुक्त रूप से लगातार चार दिनों तक अभियान चलाया और अंतत: कार सहित दोनों शवों को बरामद करने में सफलता हासिल की। रेस्क्यू के दौरान कार को नदी से बाहर निकालने पर चालक देवनारायण पटेल और उनकी पत्नी के शव वाहन के अंदर मिले। इस दर्दनाक दृश्य ने मौके पर मौजूद लोगों को भावुक कर दिया। रेस्क्यू अभियान देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी घटनास्थल पर पहुंचे थे। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने नागरिकों से बारिश के मौसम में विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि उफनते नदी-नालों, जलमग्न पुल-पुलियों और तेज बहाव वाले मार्गों को पार करने का जोखिम बिल्कुल न उठाएं। थोड़ी-सी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है। उन्होंने लोगों से प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने और मौसम खराब होने की स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर रुकने की अपील की, ताकि स तरह की दुखद घटनाओं से बचा जा सके।

धारदार हथियार दिखाकर मारपीट व धमकी देने वाला आदतन बदमाश गिरफ्तार

रायपुर। दुर्ग जिले के सुपेला थाना पुलिस ने धारदार हथियार दिखाकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने वाले एक आदतन बदमाश को घटना के कुछ ही समय बाद गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही उसके विरुद्ध बाउण्ड ओवर की कार्रवाई भी प्रस्तावित की गई है। पुलिस के अनुसार, 28 जुलाई की शाम करीब 7 बजे गौतम नगर निवासी प्रार्थी अपने घर के बाहर बैठा था। इसी दौरान मोहल्ले का निवासी राहुल यादव (26 वर्ष) वहां पहुंचा और शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगा। प्रार्थी द्वारा पैसे देने से मना करने पर आरोपी ने अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और अपने पास मौजूद धारदार हथियार दिखाकर भयभीत किया। इसके बाद उसने हाथ-मुक्कों से मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंचे रूपचंद रात्रे के साथ भी आरोपी ने हाथापाई की। पीड़ित की शिकायत पर थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 1073/2026 के तहत धारा 296, 115(2), 351(3) एवं 119 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया और न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार भी आरोपी के कब्जे से बरामद कर जब्त कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी आपराधिक गतिविधियों का रिकॉर्ड होने के कारण उसके खिलाफबाउण्ड ओवर की कार्रवाई भी की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सुपेला निरीक्षक एस.एन. सिंह, पीएसआई अक्षय साहु, प्रधान आरक्षक अभय शुक्ला एवं आरक्षक धर्मेन्द्र सूर्यवंशी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि मारपीट, धमकी या किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि की जानकारी तत्काल निकटतम थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को दें। कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी।

रायपुर के तीन यातायात जवानों ने पर्स लुटेरे को दौड़ा कर पकड़ा, चाकू बरामद

रायपुर। राजधानी रायपुर में यातायात पुलिस के तीन जवानों ने ड्यूटी समाप्त होने के बाद भी सतर्कता, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए पर्स छीनकर भाग रहे एक आरोपी को पीछा कर धर दबोचा। आरोपी की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक धारदार चाकू भी बरामद हुआ। इसके बाद उसे थाना गंज पुलिस के हवाले कर दिया गया, जहां आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, यातायात थाना फाफडीह में पदस्थ आरक्षक क्रमांक 1644 मोतीलाल लहरे, सैनिक क्रमांक 105 महेश सिंह और सैनिक क्रमांक 135 अशोक शर्मा अपनी नियमित ड्यूटी पूरी कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक ट्रक चालक ने उन्हें रोककर बताया कि एक युवक किसी का पर्स छीनकर भाग रहा है और यदि तुरंत कार्रवाई नहीं की गई तो वह फरार हो जाएगा। सूचना मिलते ही तीनों जवानों ने बिना देर किए आरोपी का पीछा शुरू किया।

राष्ट्रपति भवन के विशेष अतिथि बने बस्तर के मांझी-चालकी

बस्तर पंडुम के विजेताओं और जनजातीय प्रतिनिधियों का हुआ सम्मान

- बस्तर आज शांति, विकास और समृद्धि की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है : राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
- राष्ट्रपति भवन में पहली बार बस्तर की जनजातीय संस्कृति का ऐसा वैभव देखने को मिला : केंद्रीय गृहमंत्री शाह

रायपुर/ संवाददाता

बस्तर की लोकसंस्कृति, जनजातीय परंपराओं और सामाजिक नेतृत्व की गौरवशाली विरासत ने आज राष्ट्रपति भवन में इतिहास रच दिया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, परंपरागत जनजातीय नेतृत्व व्यवस्था के प्रतिनिधियों, पद्मश्री सम्मानित विभूतियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों सहित 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का राष्ट्रपति भवन में आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर पंडुम-2026 के विजेताओं, परगना मांझी, मांझी, चालकी तथा पद्मश्री सम्मानित विभूतियों के सम्मान में विशेष भोज का आयोजन किया। भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा में अत्यंत दुर्लभ और आत्मीय दृश्य तब देखने को मिला, जब राष्ट्रपति ने स्वयं सभी अतिथियों को भोजन परोसकर उनका सम्मान किया। राष्ट्रपति की इस सहज आत्मीयता ने पूरे प्रतिनिधिमंडल को भावविभोर कर दिया। प्रतिनिधिमंडल में उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, बस्तर के पारंपरिक जनजातीय नेतृत्व के प्रतिनिधि, बस्तर पंडुम-2026 के विजेता कलाकार, पद्मश्री सम्मानित विभूतियाँ, जनप्रतिनिधि तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शामिल रहे। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से आत्मीय संवाद करते हुए बस्तर की

जनजातीय संस्कृति, लोककला, पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था, मांझी-चालकी प्रणाली तथा बस्तर पंडुम के आयोजन के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कलाकारों और जनजातीय प्रतिनिधियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि बस्तर की सांस्कृतिक विरासत भारत की अमूल्य धरोहर है और उसका संरक्षण पूरे देश का दायित्व है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के आग्रह पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने भविष्य में बस्तर दशहरा एवं बस्तर पंडुम में सम्मिलित होने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा उनके हृदय को विशेष रूप से स्पर्श करता है। राष्ट्रपति ने भगवान जगन्नाथ की काष्ठ निर्मित प्रतिमा तथा बस्तर दशहरा की अद्वितीय परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका बस्तर दशहरा से विशेष आत्मीय संबंध रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि मांझी उनके परिवार का हिस्सा हैं और उनके पिता भी मांझी थे। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की परंपरागत नेतृत्व व्यवस्था सामाजिक एकता, सामुदायिक सहभागिता और सांस्कृतिक संरक्षण की सशक्त आधारशिला है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि बस्तर पंडुम छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय परंपराओं, लोककलाओं और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उत्सव है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने बस्तर की वास्तविक सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ पर्यटन, स्थानीय रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति प्रदान करते हैं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने विश्वास व्यक्त किया कि बस्तर के कलाकार, शिल्पकार और युवा अपनी सांस्कृतिक अस्मिता को सुरक्षित रखते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि सरकार के सतत प्रयासों और स्थानीय जनभागीदारी के परिणामस्वरूप बस्तर आज शांति, विकास और समृद्धि की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है।

आधार सेवा केंद्र बना आयते के जीवन में उम्मीद की नई किरण

- वर्षों पुरानी आधार समस्या का हुआ समाधान, अब मिल सकेगा पेंशन और राशन सहित शासकीय योजनाओं का लाभ

रायपुर/ संवाददाता

नागरिकों के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के आधार सेवा केंद्र नई और सुधरे हुए कामों के साथ एक बड़ी मदद हैं। यहाँ सभी जरूरी काम एक ही छत के नीचे आसानी से हो जाते हैं।दंतेवाड़ा जिले के ग्राम तोयलंका की निवासी आयते के लिए आधार सेवा केंद्र किसी वरदान से कम साबित नहीं हुआ। कई वर्षों से आधार कार्ड निष्क्रिय होने के कारण उन्हें पेंशन, राशन और अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाई हो रही थी। कई बार प्रयास करने के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका, जिससे वे काफी परेशान और निराश थीं। एक दिन गांव के लोगों से उन्हें जानकारी मिली कि जिला कलेक्ट्रेट परिसर में आधार सेवा केंद्र संचालित किया जा रहा है, जहां आधार से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जाता है। यह सुनकर आयते तुरंत आधार सेवा केंद्र पहुंचीं और अपनी समस्या वहां के कर्मचारियों को बताई। जांच में पता चला कि लंबे समय से ई-केवाईसी नहीं होने के कारण उनका आधार कार्ड निष्क्रिय हो गया था। आधार सेवा केंद्र के कर्मचारियों ने आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कर उनकी ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कराई और आधार कार्ड को फिर से सक्रिय कर दिया। पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समय पर पूरी की गई। आधार कार्ड सक्रिय होने के बाद अब आयते को पेंशन, राशन और अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ मिलने में किसी प्रकार की बाधा नहीं रहेगी। उनकी वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होने से वे बेहद खुश हैं। आयते ने जिला प्रशासन और आधार सेवा केंद्र के कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आधार सेवा केंद्र की सुविधा से उनकी बड़ी परेशानी दूर हो गई है।

अवैध सागौन और साल लकड़ी परिवहन करते जब्त पिकअप वाहनों की राजसात प्रक्रिया शुरू

रायपुर। सरगुजा वनमंडल, अंबिकापुर के वन परिक्षेत्र अंबिकापुर में अवैध रूप से सागौन और साल लकड़ी के परिवहन में इस्तेमाल किए गए दो पिकअप वाहनों को शासन के पक्ष में राजसात (सरकारी स्वामित्व में लेने) की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वन विभाग ने भारतीय वन अधिनियम, 1927 और छत्तीसगढ़ वनोपज नियम, 2001 के प्रावधानों के तहत दोनों मामलों में कार्रवाई की है। पहले प्रकरण में पुलिस थाना कोतवाली द्वारा 14 नग सागौन लट्ठा (2.023 घन मीटर) के अवैध परिवहन में लिप्त एक पिकअप वाहन जब्त किया गया था। जांच में वाहन पर अंकित नंबर जे. एच 07 सी-0288 फर्जी पाया गया। इसके अलावा वाहन का चेसिस नंबर भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त था।

शिव डहरिया का भाजपा सरकार पर हमला

पेपर लीक से लेकर शिक्षा और कानून व्यवस्था तक सरकार पूरी तरह विफल

रायपुर। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस नेता शिव डहरिया ने दिल्ली में छात्रों के आंदोलन और प्रदेश के विभिन्न मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रदेश में पीएससी घोटाले के नाम पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पेपर लीक की घटनाओं के लिए सरकार जिम्मेदार है और छात्रों की समस्याओं का समाधान करने में पूरी तरह विफल रही है। शिव डहरिया ने कहा कि जहां से प्रश्नपत्र तैयार किए जा रहे हैं, वहीं से पेपर लीक हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस और भाजपा के लोग पेपर सेट कर रहे हैं और मंत्री पेपर बेच रहे हैं। साथ ही पेपर लीक मामले में आंदोलन कर रहे छात्रों

पर कार्रवाई को लेकर भी उन्होंने सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि छात्रों का आंदोलन केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में प्रदर्शन हो रहे हैं। रायपुर में भी छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन किया, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं का समाधान करने के बजाय दमनात्मक रवैया अपना रही है। बिलासपुर और रायपुर में बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति पर शिव डहरिया ने कहा कि नगरीय निकायों की हालत बेहद खराब हो चुकी है। उनके अनुसार पहले ऐसी स्थिति नहीं बनती थी और कहीं भी समस्या आने पर तत्काल समाधान किया जाता था। उन्होंने कहा कि प्रदेश की न्यायधानी बिलासपुर में सड़कें जलमग्न हो रही हैं और वाहन डूब रहे हैं, जो सरकार की विफलता को दर्शाता है। दुर्ग में शिक्षा मंत्री के बंगले के बाहर अतिथि शिक्षकों के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए डहरिया ने कहा कि डीएड अभ्यर्थी कई महीनों से आंदोलन कर रहे हैं। प्रदेश के स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है और हजारों स्कूल बंद होने के बावजूद पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं।

वीएसके ऐप में तकनीकी त्रुटियों का होगा शीघ्र समाधान-यादव....

- लगभग डेढ़ लाख शिक्षक नियमित रूप से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कर निभा रहे हैं अपनी जिम्मेदारी

रायपुर/ संवाददाता

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने कहा है कि शिक्षक संगठनों एवं शिक्षकों द्वारा वीएसके ऐप में आ रही तकनीकी त्रुटियों एवं एरर संबंधी शिकायतों को राज्य सरकार ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वीएसके ऐप में आने वाली तकनीकी समस्याओं के कारण किसी भी शिक्षक का वेतन नहीं काटा जाएगा। शिक्षकों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। श्री यादव ने बताया कि संबंधित अधिकारियों एवं तकनीकी टीम को वीएसके ऐप में आ रही सभी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि 15 अगस्त तक ऐप में आ रही तकनीकी खामियों का समाधान कर इसे पूरी तरह सुचारु बनाया जाए, ताकि शिक्षकों को बिना किसी परेशानी के अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने की सुविधा मिल सके। शिक्षा मंत्री ने प्रदेश के शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य के लगभग 1 लाख 75 हजार शिक्षकों में से लगभग डेढ़ लाख शिक्षक लगभग 85 प्रतिशत शिक्षक प्रतिदिन वीएसके ऐप के माध्यम से अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि प्रदेश के शिक्षक नई तकनीक को अपनाते हुए शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं आधुनिक बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शिक्षक केवल शिक्षण कार्य ही नहीं, बल्कि डिजिटल व्यवस्था को सफल बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। सरकार उनके इस सहयोग, अनुशासन और समर्पण का सम्मान करती है। शिक्षकों के सुझावों और अनुभवों के आधार पर वीएसके ऐप को और अधिक सरल, उपयोगी एवं प्रभावी बनाया जाएगा। श्री गजेंद्र यादव ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षकों के सम्मान, सुविधा और हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यदि किसी शिक्षक को तकनीकी कारणों से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने में कठिनाई आती है।

ज्वेलर्स लूटकांड का खुलासा : अंतरराज्यीय डकैत गिरोह के 4 शातिर गिरफ्तार

रायपुर। बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने करीब 12 लाख रुपये के ज्वेलर्स लूटकांड का बड़ा खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय डकैत गिरोह के चार हथियारबंद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार इनके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, लूट, डकैती और चोरी समेत 100 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 26 लाख रुपये कीमत का सामान बरामद किया है। बरामदगी में करीब एक लाख रुपये के चांदी के जेवर, 10,620 रुपये नकद, पिस्तौल, देशी कट्टा, 14 जिंदा कारतूस, तलवार, एक महिंद्रा स्कॉर्पियो, दो मोटरसाइकिल और पांच मोबाइल फोन शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक 16 जुलाई 2026 की सुबह ग्राम रोहरा निवासी एवं दीपक ज्वेलर्स के संचालक बलराम सोनी अपनी एक्टिवा से तरेंगा से रोहरा लौट रहे थे। इसी दौरान रोहरा हाईस्कूल के पास दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार नकाबपोश बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने हमला कर उनका मोबाइल और स्कूटी की चाबी छीन ली तथा बैग में रखे करीब 13 किलो चांदी और 70 ग्राम सोने के जेवर, जिनकी कीमत करीब 12 लाख रुपये थी, लूटकर फरार हो गए।

सूर्य की रोशनी बनी बचत की नई पहचान

- प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से श्रीमती मोनिका एक्का के घर का बिजली बिल हुआ शून्य

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नए युग का सूत्रपात कर रहा है। इसी संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना केवल एक योजना नहीं, बल्कि देश के लाखों परिवारों को स्वच्छ ऊर्जा, आर्थिक बचत और आत्मनिर्भरता से जोड़ने वाला जनआंदोलन बन चुकी है। यह योजना घर-घर सौर ऊर्जा पहुंचाकर बिजली बिल का बोझ कम करने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और हरित भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार इस महत्वाकांक्षी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में हितग्राहियों को रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक परिवार स्वच्छ ऊर्जा अपनाकर बिजली के खर्च में बचत कर सकें। योजना के सफल क्रियान्वयन से प्रदेश में न केवल हरित ऊर्जा का विस्तार हो रहा है, बल्कि नागरिकों के जीवन में आर्थिक सशक्तिकरण और सतत विकास की नई संभावनाएं भी साकार हो रही हैं। कोरबा शहर के पोड़ीबहार क्षेत्र की निवासी श्रीमती मोनिका एक्का ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाकर अपने घर में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित कराया है। योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने सितंबर 2025 में अपने निवास पर सोलर पैनल लगवाया। सोलर संयंत्र शुरू होने के बाद उनके घर का बिजली बिल लगभग शून्य हो गया। योजना से हुए प्रत्यक्ष लाभ और बचत को देखते हुए उन्होंने अपनी सौर ऊर्जा क्षमता का विस्तार करते हुए कुल 3 किलोवाट क्षमता के दो सोलर पैनल स्थापित करा लिए है। इसके परिणामस्वरूप अब उन्हें बिजली की खपत अथवा बिजली बिल के भुगतान से जुड़ी किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। श्रीमती एक्का ने बताया कि सोलर संयंत्र की स्थापना के लिए उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से सब्सिडी प्राप्त हुआ, जिससे संयंत्र स्थापित करने में आर्थिक बोझ महसूस नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि योजना से न केवल बिजली बिल में उल्लेखनीय बचत हुई, बल्कि उनका परिवार पारंपरिक बिजली पर निर्भर रहने के बजाय स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग की दिशा में अग्रसर हुआ है। अब वे केवल बिजली उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली उत्पादन में भी सहभागी बन रही हैं।

महानदी विवाद नहीं,छत्तीसगढ़-ओडिशा की साझा समृद्धि का आधार बने

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की पहल पर छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच बैठक हुई संपन्न....

रायपुर/ संवाददाता

महानदी जल बंटवारे से जुड़े विषयों के सौहार्दपूर्ण एवं स्थायी समाधान की दिशा में आज नई दिल्ली स्थित श्रमशक्ति भवन में एक महत्वपूर्ण पहल हुई। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच महानदी जल विवाद के सम्बन्ध में बैठक आयोजित हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू सहित दोनों राज्यों के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि महानदी छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनों राज्यों की साझा जीवनरेखा है। इसका जल किसानों की आजीविका, पेयजल व्यवस्था, औद्योगिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार इस बैठक को किसी विवाद की निरंतरता नहीं, बल्कि समाधान की नई शुरुआत के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के बीच संवाद और सहयोग का जो वातावरण बना है, वह भविष्य में स्थायी एवं व्यावहारिक समाधान का मजबूत आधार बनेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ओडिशा की सिंचाई, पेयजल तथा हीराकुंड परियोजना से जुड़ी आवश्यकताओं का पूरा सम्मान करती है। उसी प्रकार छत्तीसगढ़ के किसानों, आदिवासी अंचलों, सूखा प्रभावित क्षेत्रों तथा राज्य की भविष्य की विकास आवश्यकताओं को भी समान संवेदनशीलता के साथ देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के हित एक-दूसरे के विरोध में नहीं, बल्कि परस्पर पूरक हैं और समाधान भी ऐसा होना चाहिए जिससे किसी भी पक्ष के हित प्रभावित न हों। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दोनों राज्यों के विशेषज्ञ उपलब्ध जल की मात्रा तथा उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं का वैज्ञानिक अध्ययन कर चुके हैं। अब आवश्यकता इस बात की है कि इन तकनीकी निष्कर्षों के आधार पर भविष्य उन्मुख एवं व्यवहारिक व्यवस्था विकसित की जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि कम वर्षा वाले सालों के लिए साझा जल प्रबंधन प्रणाली तैयार की जाए, जिससे किसी भी राज्य को कठिनाई का सामना न करना पड़े। साथ ही भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक स्थायी संस्थागत तंत्र विकसित किया जाए, जो समय-समय पर जल उपलब्धता।

संपादकीय

नीट आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई ने खड़े किए बड़े सवाल ?

नीट प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर जिम्मेदारी तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन करना क्या ऐसी गतिविधि है, जिसके लिए विद्यार्थियों को बेरहमी से पीटा जाए या उनसे दुर्व्यवहार किया जाए?एक लोकतांत्रिक देश के नागरिक होने के नाते अगर लोग सरकार की किसी कमजोरी पर सवाल उठाते हैं या अपने असंतोष को जाहिर करते हैं, तो क्या उन्हें चुप कराने के लिए पुलिस की बेलगाम सख्ती का सहारा लेने को उचित ठहराया जा सकता है? यह सवाल नीट 2026 में प्रश्नपत्र लीक होने के मुद्दे पर खड़े हुए आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ पुलिस के रवैये के सामने आने के बाद उठा है, जिसमें यह विचार करने की जरूरत तक नहीं समझी गई कि क्या प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग आखिरी विकल्प था।अव्वल तो आंदोलनकारियों से संवाद के तकाजे को तरजीह नहीं दी गई। उसके बाद दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने वालों के खिलाफ पुलिस ने जैसी सख्ती दिखाई, छात्र-छात्राओं की पिटाई की गई, उससे सरकार की मंशा और लोकतंत्र के प्रति उसके दायित्वों पर गहरे सवाल उठे हैं। इसी मुद्दे पर और जंतर-मंतर पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ मुंबई में हुए एक प्रदर्शन के दौरान कुछ विद्यार्थियों को एक पुलिसकर्मी ने आपत्तिजनक और गैरकानूनी तरीके से धमकी दी कि घर चले जाओ, नहीं तो जेब में 'पाउडर' डाल देंगे और फिर जिंदगी भर परेशान रहोगे।सवाल है कि एक लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में शामिल होने भर के लिए विद्यार्थियों या किसी भी व्यक्ति को पुलिस ऐसी धमकी देती है, तो उसे कैसे देखा जाएगा? क्या यह एक ऐसी हरकत नहीं है, जिसकी आखिरी चोट कानून के शासन पर ही पड़ेगी? खासतौर पर जब कानून की रक्षा का दायित्व निभाने वाला एक व्यक्ति ही बेहिचक गैरकानूनी धमकी दे रहा हो, तो इसके बाद किससे उम्मीद की जाएगी?संभव है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए चौकस रहना पुलिस की जिम्मेदारी के तहत जरूरी है, लेकिन अगर किसी पुलिसकर्मी की हरकत की वजह से ही कानून का शासन भंग होता हो, तो उसे कैसे देखा जाएगा? नीट प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर जिम्मेदारी तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन करना क्या ऐसी गतिविधि है, जिसके लिए विद्यार्थियों को बेरहमी से पीटा जाए या उनसे दुर्व्यवहार किया जाए? इसी तरह कुछ जगहों पर प्रदर्शनकारियों के हंगामे और पुलिसकर्मियों पर हमले को भी उचित नहीं ठहराया जा सकता।इस क्रम में एक गंभीर सवाल यह उठा है कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों पर लाठी चलाने वालों में पुलिसकर्मियों के अलावा ऐसे लोग कौन थे, जिनके पुलिस होने की कोई पहचान नहीं थी। उनमें से कई साधारण लोगों की तरह थे, तो कई की वर्दी पर उनकी नामपट्टी नहीं थी।

विदेशी शक्तियों और भितरघातियों की जुगलबंदी विफल

जंतर-मंतर का घटनाक्रम कोई अचानक हुआ आंदोलन नहीं था बल्कि इसके पीछे वही वैश्विक टूलकिट इकोसिस्टम सक्रिय था जिसका भंडाफोड़ सन् 2021 के कृषक आंदोलन के समय पोएटिक जस्टिस फाउंडेशन जैसे कनाडा आधारित संगठनों की भूमिका के दौरान हुआ था। सन् 2019-2020 के हांगकांग प्रदर्शनों में चीन विरोधी अभियानों के लिए ऐसा ही दृश्य सामने आया था। सन् 2020 के दिल्ली दंगों तथा शाहीन बाग प्रदर्शनों में भीड़ जुटाने के लिए भी ऐसे ही प्रयास किये गये थे जिन्हें जंतर-मंतर पर पुनः दोहराया गया। इस बार पारंपरिक सोशल मीडिया पर एजेंसियों की कड़ी निगरानी को मात देने के लिए सुनियोजित योजना के तहत बिटचैट, ब्रिजफाई और ब्रायर जैसे मेश-नेटवर्किंग और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स का सहारा लिया।

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

लोकतंत्र में असहमति और शांतिपूर्ण प्रदर्शन नागरिक अधिकारों का मूल आधार होता है परन्तु जब असहमति की आड़ में विदेशी धन, अत्याधुनिक तकनीक और राष्ट्रविरोधी तत्वों का एक अतिआधुनिक ताना-बाना तैयार कर देश की संप्रभुता को चुनौती दी जाए तब यह विरोध नहीं बल्कि एक सुनियोजित छद्म-युद्ध बन जाता है। देश की राजधानी के जंतर-मंतर पर घटित हालिया घटनाक्रम इसी खतरनाक वैश्विक और आंतरिक जुगलबंदी का एक नया रूप था। इतिहास गवाह हैं कि विगत कुछ वर्षों में भारत की आर्थिक व सामरिक प्रगति को बाधित करने के लिए ऐसी ही वैश्विक साजिशें बार-बार रची गई हैं परन्तु सुरक्षा एजेंसियों के अभेद्य समन्वय और सरकार की दूरदर्शी रणनीति ने इस चक्रव्यूह को एक बार फिर ध्वस्त कर दिया। जंतर-मंतर का घटनाक्रम कोई अचानक हुआ आंदोलन नहीं था बल्कि इसके पीछे वही वैश्विक टूलकिट इकोसिस्टम सक्रिय था जिसका भंडाफोड़ सन् 2021 के कृषक आंदोलन के समय पोएटिक जस्टिस फाउंडेशन जैसे कनाडा आधारित संगठनों की भूमिका के दौरान हुआ था। सन् 2019-2020 के हांगकांग प्रदर्शनों में चीन विरोधी अभियानों के लिए ऐसा ही दृश्य सामने आया था। सन् 2020 के दिल्ली दंगों तथा शाहीन बाग प्रदर्शनों में भीड़ जुटाने के लिए भी ऐसे ही प्रयास किये गये थे जिन्हें जंतर-मंतर पर पुनः दोहराया गया। इस बार पारंपरिक सोशल मीडिया पर एजेंसियों की कड़ी निगरानी को मात देने के लिए सुनियोजित योजना के तहत बिटचैट, ब्रिजफाई और ब्रायर जैसे मेश-नेटवर्किंग और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स का सहारा लिया। ये ऐप्स बिना इंटरनेट कनेक्शन के केवल वाई-फाई और ब्लूटूथ के पीयर-टू-पीयर नेटवर्क पर काम करते हैं। इसका इस्तेमाल सन् 2019 के म्यांमार आंदोलन और बेलारूस के विरोध प्रदर्शनों में गोपनीय संदेश भेजने के लिए किया गया था। जंतर-मंतर पर भी इसी तकनीक के जरिए सीमापार के आकाओं द्वारा देश के अलग-अलग कोनों से आए असामाजिक तत्वों और स्लीपर सेल्स को रीयल-टाइम निर्देश दिए जा रहे थे। दिल्ली पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि हालिया प्रदर्शनों के दौरान भ्रम और फर्जी खबरें फैलाने वाले कई सोशल मीडिया अकाउंट्स वही थे जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी भारत विरोधी और भ्रामक जानकारी फैलाने में सक्रिय थे। गृह मंत्रालय और केंद्रीय जांच एजेंसियों के अनुसार विगत पांच वर्षों में भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल होने और विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम यानी एफसीआरए के नियमों के उल्लंघन के कारण 6,000 से अधिक संदिग्ध एनजीओ और वैश्विक थिंक-टैंक के लाइसेंस रद्द किए गए हैं। इसके बावजूद हवाला नेटवर्क और शेल कंपनियों के जरिए करोड़ों रुपये की अवैध धनराशि भारत के भीतर अस्थिरता फैलाने के लिए लगातार झोंकी जा रही है। प्राथमिक जांच आख्या में स्पष्ट हुआ है कि जंतर-मंतर पर अराजकता फैलाने के लिए विदेशी फंडिंग का एक बड़ा हिस्सा शेल कंपनियों के माध्यम से जुटाया गया। इससे भी अधिक चिन्ता का विषय यह है कि इस तंत्र में सीमापार के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के डिजिटल विंग आतंकी जैसे संगठनों ने भी अपनी घुसपैठ बना ली थी। यह वही खतरनाक नेटवर्क है जिसने सन् 1993 के मुंबई बम धमाकों से लेकर सन् 2008 के 26/11 के हमलों को अंजाम दिया था। विगत कई वर्षों से से कश्मीर में अतिआधुनिक आतंकवाद को बढ़ावा देने में भी इन्हीं संगठनों का हाथ रहा है। जंतर-मंतर प्रदर्शन की आड़ में देशव्यापी सांप्रदायिक दंगे भड़काना, सरकार को पंगु बनाना तथा बांग्लादेश-नेपाल की तरह ही तख्ता पलट करना था। स्थानीय स्तर पर राजनीतिक और वैचारिक खाद-पानी देने के लिए वही चेहरे निरंतर जंतर-मंतर पर मौजूद रहे जो 26 जनवरी 2021 को लाल किले पर हुई हिंसक घटनाओं और भीमा कोरेगांव मामले से जुड़े अर्बन नक्सल नेटवर्क का हिस्सा थे। सत्ता की लिप्सा में अंधे कुछ राजनीतिक घटकों और असामाजिक-माफिया तत्वों ने इन देशविरोधी ताकतों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष संरक्षण प्रदान किया। राजनीतिक संरक्षण प्राप्त इन तत्वों का इतिहास हमेशा से राष्ट्रहित के विरोध में खड़ा होने का रहा है चाहे वह कश्मीर में धारा 370 के उन्मूलन का विरोध हो या फिर नागरिकता संशोधन अधिनियम यानी सीएए के खिलाफ झूठा भ्रम फैलाकर हिंसा भड़काना। सन् 2020 में शाहीन बाग और उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दंगों में स्थानीय स्लीपर सेल्स, भड़काऊ भाषणों और हवाला फंडिंग के माध्यम से सांप्रदायिक तनाव पैदा किया गया था जिस पर सुरक्षा एजेंसियों ने एफसीआरए लाइसेंस रद्द कर वित्तीय रीढ़ तोड़ी थी। सन् 2021 के गणतंत्र दिवस पर लाल किला हिंसा के दौरान भ्रामक टूलकिट और सोशल मीडिया अफवाहों का सहारा लेकर ऐतिहासिक स्मारकों और राष्ट्रीय गरिमा पर प्रहार किया गया था जो फॉरेंसिक जांच और मुख्य साजिशकर्ताओं की गिरफ्तारी से बेनकाब हो चुका है। जंतर-मंतर का हालिया उपद्रव भी इसी शृंखला की अगली कड़ी थी जहां इंटरनेट रहित मेश-नेटवर्किंग ऐप्स और विदेशी फंडिंग के जरिए राष्ट्रीय प्रतीक क्षेत्र को निशाना बनाने की साजिश रची गई। हालिया घटनाक्रम पर नजर डालें तो काकरोच का जन्म अमेरिका की धरती से हुआ। डीप स्टेट ने साइबर दिग्गजों और नेटवर्किंग माफियों के साथ मिलकर विश्व में महत्वपूर्ण स्थान की ओर बढ़ते भारत के विरुद्ध षड़यंत्र रचा। आतंकी संगठनों, विपक्षी दलों के संरक्षण प्राप्त अपराधियों, राष्ट्रद्रोही स्लीपर सेल, भितरघातियों सहित कट्टरपंथियों को सक्रिय किया गया। आंदोलन की शुरूआत में चन्द लोगों के साथ पूर्व आप पदाधिकारी अभिजीत भगवान दीपके को अचानक भारी समर्थन मिलने लगा। मंच से राष्ट्रविरोधी नारे लगाये गये। सनातन को गालियां दी गई। धारा 370 का इकबाल बुलंद किया गया। एक सम्प्रदाय विशेष का यशगान किया गया। भारी पथराव और पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमले किये गये। कुख्यात अपराधी, खतरनाक आरोपी, असामाजिक तत्वों की जमावड़ा बनता चला गया। षडयंत्र के तहत राजधानी के साथ-साथ देश के विभिन्न शहरों को भी अराजकता की आग में झौंकने हेतु मुंह पर कपड़ा बांधकर जमातें पहुंचने लगीं। गालियां देने की तो प्रतियोगिता ही देखने को मिली। जातिवादी उन्माद फैलाया गया। साम्प्रदायिकता को उभारा गया। दलगत एजेन्डे सामने आये। टुकडे-टुकडे गैंग सक्रिय रही। धमकियों की बाढ आ गई। संसद उखाड़ देंगे, नीतियां संसद से नहीं सडकों से बनेंगी, नेपाल-बांग्लादेश बना देंगे, तिलक-तराजू और तलवार जैसे मुद्दों को हवा दी गई। नीट पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी और शिक्षा प्रणाली में सुधार के नाम पर तोडफोड़, आगजनी और आपराधिक कृत्य होते चले गये। वास्तविकता तो यह है कि भारत का विश्व मंच पर निरंतर ऊंचा होते कद, वैश्विक संकट के दौरान देश की आपूर्ति श्रंखला के मजबूत रहने और संसद के वर्तमान सत्र में लाये जाने वाले आयकर (संशोधन) विधेयक, सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए विधेयक, विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक जैसे अनेक बिलों को रोकने हेतु विदेशी आकाओं के इशारे पर इस राष्ट्रद्रोही षडयंत्र को अमली जामा सडक पर पहनाया गया किन्तु अभी सदन के अन्दर भी असंवैधानिक हरकतें देखने को मिलना बाकी है। 21वीं सदी में भारत के खिलाफ लड़े जा रहे इस पांचवीं पीढ़ी के युद्ध का मुकाबला केवल पारंपरिक पुलिस बल से नहीं बल्कि मजबूत इच्छाशक्ति और तकनीकी श्रेष्ठता से ही किया जा सकता है। सरकार के इस कदम ने न केवल एक बड़े राष्ट्रीय संकट को टाला दिया है बल्कि दुनिया को संदेश दे दिया कि भारत अपनी संप्रभुता से समझौता करने वाले किसी भी आंतरिक या बाहरी भितरघाती को बख्शने वाला नहीं है। ऐसे में आम आवाम को स्वयं समूचे घटनाक्रम का वास्तविक विश्लेषण करना होगा जिसमें काट-छांट कर बनाये गये वीडियो, भ्रामक संदेश और अपुष्ट समाचारों को तिलांजलि और शब्दों का मर्म, भाषा की प्रस्तुतिकरण, हावभाव का अंदाज और उपस्थित लोगों के चेहरों पर गौर करना नितांत आवश्यक होगा। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

'त्याग और शुचिता का नया माडल' देश की जीडीपी को कितना ऊपर ले जा पाएगा?

(प्रमोद कुमार बाजपेई)

सरकार का मानना है कि जो किसान दशकों से महंगे यूरिया और आयातित कीटनाशकों के सहारे फसल उगा रहे हैं, वे अचानक से जैविक खेती की ओर रुख कर लेंगे, जिससे रसायनिक उर्वरकों के आयात का खर्चा भी कम हो जाएगा।

कुछ समय पहले भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर था, मगर अब वह पिछड़ कर छठे स्थान पर पहुंच गया है। वहीं, जापान और ब्रिटेन ने अपनी स्थिति पुनः हासिल कर ली है। कुछ आर्थिक विशेषज्ञ इसके लिए डालर के मुकाबले गिरते रुपए को प्रमुख कारण मान रहे हैं।

भारत की प्रति व्यक्ति आय 2,813 अमेरिकी डालर है, जबकि चीन की प्रति व्यक्ति आय 14,874 अमेरिकी डालर है, जो भारत की प्रति व्यक्ति आय की लगभग पांच गुना है। यह स्थिति तब है, जब भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर लगभग साढ़े छह फीसद बनी हुई है।

चालू वर्ष के शुरुआती पांच महीनों में ही विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से लगभग 2.87 लाख करोड़ रुपए निकाल लिए, जो पिछले पूरे साल के 1.7 लाख करोड़ रुपए के रिकार्ड से कहीं अधिक है। शेयर बाजार की इस उथल-पुथल से हर कोई हैरान है।

एक समय था जब 'म्यूचुअल फंड सही है' पर जोर दिया जाता था, लेकिन अब एसोसिएशन आफ म्यूच्युल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों से एक अलग ही तस्वीर सामने आती है। देसी और विदेशी निवेशकों का भरोसा इस कदर डगमगा रहा है कि बड़े पैमाने पर खाते बंद हो रहे हैं। 'सिप बंद' करने का अनुपात बढ़ कर मार्च और अप्रैल में सौ फीसद से ऊपर चला गया था, जिसका अर्थ है कि नई शुरू होने वाली सिप से ज्यादा पुरानी सिप बंद या 'मैच्योर' होने पर उससे पैसा निकाल लिया गया।

उदाहरण के लिए, अप्रैल में 50.71 लाख नए सिप पंजीकृत हुए, जबकि 51.29 लाख खाते बंद हुए। मई में भी यह अनुपात 95 फीसद के करीब रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों का भारतीय बाजार पर भरोसा कमजोर हुआ है।

ऐसे में सवाल है कि जब विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से अपने हाथ खींच रहे हैं और रुपया अमेरिकी डालर के मुकाबले ऐतिहासिक गिरावट दर्ज कर रहा हो, तो आखिर भारत का विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत कैसे होगा? इसी दबाव के बीच सरकार की ओर से देशवासियों को सोने की चमक से दूर रहने की नसीहत दी जा रही है। वैसे आंकड़ों पर नजर डालें, तो इस वित्त वर्ष में भारत का सोना आयात बिल बढ़कर रिकार्ड 72.4 बिलियन डालर पर पहुंच गया, जो देश के कुल आयात का नौ फीसद से ज्यादा है। सरकार ने व्यापार घाटे और विदेशी मुद्रा के दबाव को नियंत्रित करने के लिए सोने पर प्रभावी आयात शुल्क छह फीसद से बढ़ाकर पंद्रह फीसद (जीएसटी सहित कुल प्रभावी कर 18.4 फीसद) कर दिया है।

जबकि लोगों को सुझाव दिया जा रहा है कि एक साल तक सोना न खरीदें। बढ़ती कीमतों के कारण सोने के आयात में मात्रा के हिसाब से लगभग 70 फीसद तक की गिरावट के बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसके दामों में भारी बढ़ोतरी के कारण पिछले साल के मुकाबले इस बार विदेशी मुद्रा के भुगतान में करीब चौबीस फीसद की वृद्धि दर्ज की गई है। अब बात आती है पेट्रोल और डीजल की, जिसे फूंक-फूंक कर इस्तेमाल करने की चेतावनी दी जा रही है।

शायद नीति-निर्माताओं को लगता है कि आम आदमी के घर से बाहर कम निकलने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल के कारोबारियों को सदमा लगेगा और वे कच्चे तेल के दाम कम कर देंगे।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण भारत के व्यापार घाटे का आंकड़ा 333.2 बिलियन डालर तक पहुंच चुका है। ऐसे में सरकार का मानना है कि अगर कोरोनाकाल की तरह 'घर से काम' करने की व्यवस्था को फिर से अपनाया जाए, साझा वाहनों का इस्तेमाल किया जाए या साइकिल से चलने को बढ़ावा दिया जाए, तो पेट्रोल का खर्च बचेगा और देश का विदेशी मुद्रा भंडार संभल जाएगा। मगर, व्यावहारिक तौर पर इसका कितना असर होगा, इसका कोई आकलन अभी तक नहीं किया गया है।

भारत अपने कुल आयात का पच्चीस से तीस फीसद हिस्सा केवल कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों पर खर्च करता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के कुल व्यापार घाटे में कच्चे तेल और ईंधन के आयात का शुद्ध योगदान लगभग चालीस से पैंतालीस फीसद के बीच रहा है। वर्ष 2026 के हालिया महीनों में पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनावों और होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने से तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। सरकार की ओर से जनता से यह अपील की जा रही है कि भोजन पकाने के तेल की बचत की जाए, ताकि विदेश से आयात होने वाले पाम तेल और अन्य खाद्य तेलों के खर्चे को कम किया जा सके। ऐसा लगता है कि अब रसोई में 'तड़का'लगाने के लिए भी देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार से राय लेनी पड़ेगी।

संघर्ष ही सफलता की असली कहानी, मंजिल नहीं, सफर को समझने की जरूरत

जीवन में मेहनत के बिना कहीं कोई परिणाम नहीं होते। यहां चमत्कार एक लंबी प्रक्रिया में आकार लेते हैं। अपने सोचे हुए को हासिल कर लेना, उसे घटित होते हुए देखना ही दुनिया में सबसे बड़ा चमत्कार है। ऐसे चमत्कारों तक पहुंचने में लंबा वक्त, अथक मेहनत और संघर्ष लगता है। इन चमत्कारों को घटित करने के लिए जरूरी है कि मनुष्य कोशिश करता रहे। उसे कोशिश कभी नहीं छोड़नी चाहिए। उस वक्त भी नहीं, जब उसे लगे कि अब झुक जाना चाहिए, क्योंकि झुककर भी उसे कुछ हाथ नहीं आता। जीवन के अंत तक अफसोस रखने से अच्छा है कि हम अंत तक प्रयास करें। प्रयास करते रहने से मनुष्य अपने सोचे हुए से भी अधिक परिणाम प्राप्त कर सकता है, शर्त बस यही है कि वह कोशिशों के बीच अपने अहं को न लाए।

(मोनिका भाम्भू कलाना)

जीवन एक ऐसा संग्राम है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपने हिस्से का संघर्ष करना पड़ता है। किसी के संघर्ष बाहरी दुनिया में होते हैं और किसी के अपनी भीतरी दुनिया में। दूसरे के दर्द और संघर्ष हमें दिखाई नहीं देते। हम उनके केवल परिणाम ही देख सकते हैं। इसीलिए अपना संघर्ष कभी न खत्म होने वाली नाउम्मीदी जैसा लगता है, लेकिन दूसरे का नहीं। कोई भी परिणाम एक लंबी यात्रा और द्वंद्व का आखिरी पड़ाव होता है। वह एकदम घटित नहीं होता। उसके पीछे कठिन मेहनत, इच्छाशक्ति और कुछ करने की दृढ़ता छिपी रहती है।

जब हम सफलताओं के पीछे के वास्तविक संघर्ष से वाकिफ नहीं होते, तब सफलताएं किसी लंबी यात्रा का आखिरी सिरा नहीं लगकर चमत्कार सरीखी लगती हैं। आजकल के उपभोक्तावादी युग में, जब परिणामों को विज्ञापनों के माध्यम से भुनाना होता है, तो उन्हें उनके संदर्भों से काटकर प्रस्तुत किया जाता है। इससे वे वास्तविकता से अलग होकर थोड़े-से समय में हासिल की गई उपलब्धि लगने लगते हैं। वे रोमांचित करते हैं और थोड़ी-सी कोशिश से ही कुछ भी संभव कर लेने का भ्रम पैदा करते हैं।

जीवन में मेहनत के बिना कहीं कोई परिणाम नहीं होते। यहां चमत्कार एक लंबी प्रक्रिया में आकार लेते हैं। अपने सोचे हुए को हासिल कर लेना, उसे घटित होते हुए देखना ही दुनिया में सबसे बड़ा चमत्कार है। ऐसे चमत्कारों तक पहुंचने में लंबा वक्त, अथक मेहनत और संघर्ष लगता है। इन चमत्कारों को घटित करने के लिए जरूरी है कि मनुष्य कोशिश करता रहे। उसे कोशिश कभी नहीं छोड़नी चाहिए। उस वक्त भी नहीं, जब उसे लगे कि अब झुक जाना चाहिए, क्योंकि झुककर भी उसे कुछ हाथ नहीं आता। जीवन के अंत तक अफसोस रखने से अच्छा है कि हम अंत तक प्रयास करें। प्रयास करते रहने से मनुष्य अपने सोचे हुए से भी अधिक परिणाम प्राप्त कर सकता है, शर्त बस यही है कि वह कोशिशों के बीच अपने अहं को न लाए।

इतिहास के कई उदाहरणों में हम देखते हैं कि कोशिशें करते रहने से व्यक्ति अपनी अपेक्षाओं को ही नहीं, इंसानी सीमाओं को भी पार करने में सफल हुआ है। दरअसल, मनुष्य की क्षमताओं की सीमा तो है, लेकिन अंत नहीं। ये सीमाएं विस्तृत होती रहती हैं और इन्हें मनुष्य स्वयं अपने लिए विस्तृत करता है। चीजों और स्थितियों से गुजरकर ही मनुष्य न केवल उनका सत्य, बल्कि स्वयं का सत्य भी पहचानने की क्षमता अर्जित कर लेता है। किसी भी कार्य का परिणाम वही नहीं होता, जो सबको दिखता है। वास्तविक परिणाम वह बदलाव और सोच होती है, जो किसी कार्य को करने के दौरान विकसित होती है।

जीवन में कुछ भी पीछे नहीं जाता। मनुष्य के लिए लौटने का कोई रास्ता नहीं है। जहां हम हैं, उससे आगे का सोचने में ही फायदा है। जीवन में जीत कोई ऐसी स्थिर स्थिति नहीं है, जिसे एक बार हासिल करके छोड़ दिया जाए। इतिहास में हम देखते हैं कि पहली बार जीतने वाले लोग अंत तक नायक नहीं रह जाते। इतिहास हमें सिखाता है कि एक बार की जीत काफी नहीं, जीवन में कोशिश रोज करनी पड़ती है। जो हमने हासिल कर लिया है, अगर उसे बनाए रखने के लिए मेहनत नहीं करेंगे, तो वह बचा नहीं रहेगा।

जिस तरह पराजय स्थायी नहीं है, उसी तरह कोई विजय भी स्थायी नहीं है। स्थायित्व सतत कर्मों की उस शृंखला से बनता है, जिसके लिए रोज प्रयत्न किए जाने की जरूरत होती है। मनुष्य को किसी भी प्रवृत्ति को स्थायी नहीं मान लेना चाहिए। चीजें आती हैं और बीत जाती हैं। जो उनसे टकराने की कोशिश करता है, वही बचा रहता है, अन्यथा समय उसे किनारे कर देता है।

कोई कितना ही महान क्यों न हो जाए, हर व्यक्ति को रोज उठकर नई शुरुआत करनी ही पड़ती है। एक सीमा के बाद थोड़ा-थोड़ा जुड़कर भी बहुत कुछ होने लगता है, लेकिन इन सबके पीछे एक-एक दिन की मेहनत और लगन होती है। कोई भी व्यक्ति अपने काम से जुनून की हद तक प्रेम किए बिना अपने क्षेत्र में शिखर तक नहीं पहुंचता।

जब तक सतत किए गए परिश्रम को देखना हम नहीं सीखेंगे, सफलताएं हमें चमत्कार या छलांग मालूम होती रहेंगी। अंततः प्रयास ही होते हैं, जो व्यक्ति को कहीं भी ले जा सकते हैं। हो सकता है कार्य में सफलता न मिले, लेकिन बिना प्रयास के तो सभी दरवाजे बंद ही होते हैं। प्रयास ही रास्तों को, दिशाओं को और हमारे दिमाग को खोलते हैं।

अक्सर ऐसा होता है कि मनुष्य परिणाम के बारे में प्रयासों की बजाय ज्यादा सोचता है। इससे दूसरों के साथ अपनी अपेक्षाओं का बोझ भी उस पर बढ़ता है। परिणाम पर दृष्टि केंद्रित करने की वजह से व्यक्ति अपनी गलतियों को नजरअंदाज कर देता है। जब हम प्रक्रिया को जीने के बजाय केवल रास्ते की तरह देखते हैं, तब लक्ष्य हासिल कर लेने पर भी हम उसके साथ सहज नहीं हो पाते।

जीवन में कोई भी चीज लक्ष्य है ही नहीं, बस यात्रा है और इसी को जीना सीखना है। लक्ष्य एक छोटे-से समय में छोटा-सा बिंदु है, जो बदलता रहता है। इसलिए उसके प्रति हद से ज्यादा सतर्कता मनुष्य में विकृति पैदा करती है। कुछ न कुछ करते रहना मनुष्य का स्वभाव है। इसी सहजता के साथ मनुष्य को कोशिश करनी चाहिए। अपने ऊपर दबाव बनाकर किए गए कार्य से हुए हासिल की जीवन में क्या भूमिका होगी? किसी भी लक्ष्य से अधिक महत्त्वपूर्ण चलते रहना है। चलते रहने से हासिल भी होता ही रहेगा। कुंवर नारायण के शब्दों में ङ्क तब तुम पाओगे कि कोई फर्क नहीं/ सब कुछ जीत लेने में/ और अंत तक हिम्मत न हारने में। अंत तक जुटे रहने में ही जीवन के कई आयाम खुलते हैं।

गुरू पूर्णिमा पर खम्हारिया स्कूल में हरियाली का उत्सव, 1051 पौधों का संकल्प हुआ पूरा

ये आने वाली पीढ़ी के लिए है संकल्प : शिवकुमारी साहू

भटगांव। गुरू पूर्णिमा के पावन अवसर पर बिलाईगढ़ विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खम्हारिया का परिसर हरियाली और उत्साह से गुंज उठा। यहां प्रकृति संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश देने वाला वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण और भावुक क्षण तब आया जब जिला पंचायत सदस्य शिवकुमारी साहू ने अपने 1051 पौधे लगाने के संकल्प को सफलतापूर्वक पूरा करने की घोषणा की। उनके इस संकल्प ने पूरे क्षेत्र को पर्यावरण बचाने की नई दिशा दी। विद्यालय के प्राचार्य एस.एल.पटेल ने कहा कि गुरू पूर्णिमा है?। गुरू हमें ज्ञान देता है और वृक्ष हमें जीवन। हमने दोनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए इस हरित आयोजन को किया है। जहां कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य शिवकुमारी साहू, जनपद सदस्य अंजु रात्रे, हेमलता साहू, राजेंद्र और चोरभट्ठी के सरपंच प्रतिनिधि सहित अन्य पंच सरपंच और गणमान्य नागरिकों ने मंच से एक स्वर में कहा कि पर्यावरण बचाना अब किसी एक की जिम्मेदारी नही, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। जहां कार्यक्रम में भावुक होते हुए जिला पंचायत सदस्य शिवकुमारी साहू ने कहा कि मैंने एक वर्ष पूर्व संकल्प लिया था कि अपने क्षेत्र में 1051 पौधे लगाकर धरती को हरा भरा करूंगी। गुरू पूर्णिमा के शुभ दिन पर विद्यालय के बच्चों, शिक्षकों और ग्रामवासियों के सहयोग से वह संकल्प पूरा हुआ। उनकी

इस घोषणा के बाद पूरे मैदान में तालियां गूंज उठी और छात्रो ने नारे लगाते एक पौधा लगाओ, जीवन बचाओ। तो वहीं उपस्थित जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने इस पहल को अनुकरणीय बताया। जहां जनपद सदस्य अंजु रात्रे ने कहा राजनिति से ऊपर उठकर यदि कोई जनप्रतिनिधी पर्यावरण के लिए काम करें तो वहीं सच्चा जनसेवक है। वृक्षारोपण के दौरान खम्हारिया स्कूल के पूरे परिसर में हरियाली बिखेर दी गई। वहीं नीम, पीपल, बरगद, अमरूद, जामुन, सागौन और बेल के पौधे स्कूल परिसर में लगाए गए और बाकी पौधों को अन्य गांवों में भी लगाए गये। वहीं जनपद सदस्य हेमलता साहू ने कहा पेड़ काटना आसान है, पर लगाना मुश्किल। लेकिन हमने मुश्किल काम चुनकर सही उदाहरण पेश किया है। जहां विद्यालय के प्राचार्य एम.एल. पटेल ने कहा कि हम बच्चों को किताबों में प्रर्यावरण पढ़ाते हैं। उन्हें जमीन पर उतारकर दिखाया। ये शिक्षा उनके जीवन भर काम आएगी। वहीं सभी वक्ताओं ने कहा कि गुरू पूर्णिमा पर वृक्ष लगाना सबसे बड़ी गुरू दक्षिणा है। **यह अभियान पौधे लगाना नहीं, आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, शुद्ध पानी और सुरक्षित जीवन देने का है संकल्प** –जहां इस आयोजन में विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं और छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं शिवकुमारी साहू ने कहा कि यह अभियान केवल पौधे लगाने का नहीं है। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, शुद्ध पानी और सुरक्षित जीवन देने का संकल्प है। उन्होंने ग्रामवासियों से अपिल की कि जिस तरह हम अपने बच्चों को पालते हैं, उसी तरह इन पौधों को भी पाले। और जब 5 साल बाद जब ये पेड़ बनेंगे तो ये हमें दोगुना देंगे। वहीं 1051 पौधों का संकल्प, जनप्रतिनिधियों का सहयोग और सैकड़ों बच्चों का श्रम इस त्रिवेणी ने यह सिद्ध कर दिया कि अगर नीयत साफ हो तो पर्यावरण संरक्षण असंभव नहीं है। खम्हारिया स्कूल परिसर में जो पौधे लगे हैं वे 10 साल बाद बड़े होकर इस क्षेत्र को हरित खम्हारिया बनाएंगे। और तब आने वाली पीढ़ी कहेगी कि हमारे गुरूजनो और जनप्रतिनिधियों ने हमारे लिए पेड़ लगाए थे। जहां कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य एम.एल.पटेल ने सभी का आभार जताते हुए कहा हमने गुरू को प्रणाम किया।और प्रकृति को उपहार दिया।इनकी रही उपस्थितिकार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। उपस्थित शिक्षकों में एन. लकड़ा, एम. एल. सिदार, एस. के. डनसेना, आर. एल., जे. के. वर्मा, मनोज किशोर, डी. आर., जी. एस. पटेल, पी. एल. पटेल, डी. साहू, यू. के. निषाद, एन. राज, पी. के. देवांगन, टी. साहू, के. आर. यादव, डी. पी. पटेल, वी. के. दुबे, प्रधान पाठक अरुण दुबे, एस. आर. निषाद, शेखर बंजारे, नेमलता पटेल, रजनी बंजारे, संगीता जायसवाल एवं दीपिका सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

सभी विभागों में ई-ऑफिस का अनिवार्य एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित करें : कलेक्टर नम्रता जैन

नारायणपुर। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर नम्रता जैन की अध्यक्षता में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी जिला अधिकारियों को ई-ऑफिस का अनिवार्य एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यालयीन कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, त्वरित एवं जवाबदेह बनाने के लिए सभी नस्तियों एवं पत्रावलियों का ई-ऑफिस के माध्यम से समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को जिले के शहीद जवानों के सम्मान, सर्वोच्च बलिदान एवं योगदान को स्मरणीय बनाने में उनके नाम पर चौक-चौराहों एवं विद्यालयों के नामकरण के लिए उपयुक्त स्थलों का शीघ्र चिन्हांकन करने के निर्देश दिए। बस्तर मुन्ने एवं नियद नेल्लनार योजना के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री जनमन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आंगनबाड़ी भवन निर्माण एवं मुख्यमंत्रीकी घोषणाओं के कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्वीकृत आवासों एवं निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने तथा नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सेवा सेतु के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का ऑनलाइन एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिले में मोबाइल नेटवर्क विस्तार की समीक्षा करते हुए सर्वेक्षित स्थानों पर शीघ्र मोबाइल टॉवर स्थापित कराने की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सभी विद्यालयों में पाठ्यपुस्तक, गणवेश एवं साइकिल का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा स्कूली बच्चों की शत-प्रतिशत मलेरिया जांच कराने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई, एसडीएम डॉ. सुमित गर्ग, आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त सुनील कुमार सोनपिपरे, तहसीलदार सौरभ चौरसिया, विजय साहू, जिला शिक्षा अधिकारी महेन्द्रनाथ पाण्डेय तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मूक-बधिर बच्चों के लिए शासकीय स्तर पर स्पीच थेरेपी प्रारंभ करने पूर्व विधायक ने कलेक्टर को लिखा पत्र

महासमुंद। पूर्व संसदीय सचिव एवं महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चन्द्राकर ने कलेक्टर महासमुंद को पत्र प्रेषित कर जिले में मूक-बधिर बच्चों के लिए शासकीय स्तर पर स्पीच थेरेपी प्रारंभ करने की मांग की है। अपने पत्र में चन्द्राकर ने उल्लेख किया है कि जिले में पंजीकृत एवं अपंजीकृत बड़ी संख्या में मूक-बधिर बच्चे निवासरत हैं, जिनमें अधिकांश आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से हैं। ऐसे बच्चों के सर्वांगीण विकास, संवाद क्षमता में सुधार तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए स्पीच थेरेपी अत्यंत आवश्यक है, किंतु वर्तमान में जिले में यह सुविधा शासकीय स्तर पर उपलब्ध नहीं है। उन्होंने बताया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा ग्राम खैरा स्थित बहुविकलांग भवन में पहले से ही दिव्यांग बच्चों के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। यदि इसी भवन में स्पीच थेरेपी की सुविधा प्रारंभ कर दी जाए तो उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा तथा

जरूरतमंद बच्चों को उनके घर के निकट ही उपचार उपलब्ध हो सकेगा। चन्द्राकर ने सुझाव दिया कि इस कार्य के लिए समाज कल्याण विभाग की निराश्रित निधि अथवा मंडी शुल्क से प्राप्त राशि का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी इसी निधि से बहुविकलांग भवन का निर्माण एवं संचालन किया गया है, इसलिए इस निधि का उपयोग स्पीच थेरेपी जैसी आवश्यक सेवा प्रारंभ करने में भी किया जाना चाहिए। उन्होंने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि वर्तमान में एक निजी संस्था द्वारा बिना पंजीयन के स्पीच थेरेपी कराई जा रही है, जिसके लिए प्रतिदिन लगभग 500 का शुल्क लिया जाता है। लंबे समय तक चलने वाली इस थेरेपी का खर्च गरीब परिवार वहन करने में असमर्थ हैं, जिसके कारण अनेक बच्चे आवश्यक उपचार से वंचित रह जाते हैं। पूर्व विधायक ने कहा कि यदि शीघ्र पहल नहीं की गई तो जिले के सैकड़ों मूक-बधिर बच्चों का भविष्य प्रभावित हो सकता है। उन्होंने कलेक्टर से आग्रह किया है कि समाज कल्याण विभाग अथवा जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) के माध्यम से स्पीच थेरेपी की सुविधा तत्काल प्रारंभ करने की स्वीकृति प्रदान की जाए, ताकि जिले के गरीब एवं जरूरतमंद मूक-बधिर बच्चों को समय पर उपचार उपलब्ध हो सके और वे आत्मनिर्भर एवं सम्मानजनक जीवन जीने में सक्षम बन सकें।

बारिश और लापरवाही ने ढहाई पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस की बाउंड्रीवाल, न्यायालय परिसर की दीवार पर भी मंडराया खतरा

भानुप्रतापपुर। नगर में पिछले कुछ दिनों से हो रही मुसलाधार बारिश के बीच नगर पंचायत की एक बड़ी तकनीकी लापरवाही सामने आई है। लोक निर्माण विभाग रेस्ट हाउस की बाउंड्रीवाल अचानक ढह गई, वहीं भानुप्रतापपुर न्यायालय परिसर की दीवारें भी बुरी तरह दरक गई हैं, जिससे कभी भी बड़े हादसे का अदेशा बना हुआ है। इस पूरी घटना के बाद नगर पंचायत की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं और विभागों के बीच जिम्मेदारी को लेकर खींचतान शुरू हो चुकी है। जानकारी के अनुसार, नगर पंचायत द्वारा पीडब्ल्युडी रेस्ट हाउस की बाउंड्रीवाल से सटकर गार्डन विकसित करने का काम किया जा रहा था। इसके लिए दीवार के किनारे बिना किसी सुरक्षा मानकों और जल निकासी (ड्रेनेज) की उचित व्यवस्था के भारी मात्रा में मिट्टी डंप कर दी गई थी। लगातार हो रही बारिश के कारण मिट्टी ने पानी सोख लिया, जिससे उसका वजन और दबाव रेस्ट हाउस की दीवार पर अत्यधिक बढ़ गया। अंततः दबाव न झेल पाने के कारण बाउंड्रीवाल भरभरा कर गिर पड़ी।

न्यायालय परिसर की दीवार में आई बड़ी दरारें

रेस्ट हाउस की दीवार गिरने के साथ ही सटे हुए भानुप्रतापपुर न्यायालय की बाउंड्रीवाल पर भी इसका बुरा असर पड़ा है। न्यायालय परिसर की बाकी दीवार में लंबी-चौड़ी दरारें आ चुकी हैं और वह भी बेहद जर्जर स्थिति में पहुंच गई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि अगर समय रहते जर्जर दीवार को सहारा नहीं दिया गया या मरम्मत नहीं कराई गई, तो न्यायालय परिसर की दीवार भी कभी भी गिर सकती है।

स्थानीय लोगों में आक्रोश उठाए सुरक्षा मानकों पर सवाल

घटना के बाद से ही स्थानीय नागरिकों में नगर पंचायत के खिलाफभारी नाराजगी है। लोगों का स्पष्ट आरोप है कि निर्माण या सौंदर्यीकरण का काम करते समय अधिकारियों और ठेकेदारों को तकनीकी बारीकियों का ध्यान रखना चाहिए था। बिना वाटर ड्रेनेज और बिना दीवार की मजबूती का आकलन किए इतनी मिट्टी डालना सीधे तौर पर लापरवाही है। अगर समय रहते सुरक्षा और तकनीकी मानकों का ध्यान रखा जाता, तो यह नुकसान नहीं होता।

पीडब्ल्यूडी ने नगर पंचायत को थमाया नोटिस

मामले की गंभीरता को देखते हुए लोक निर्माण विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन अभियंता महेंद्र कश्यप ने बताया कि इस क्षति की पूरी जिम्मेदारी नगर पंचायत की गलत कार्यप्रणाली की है। नगर पंचायत द्वारा बिना सुरक्षा मानकों के मिट्टी डंप करने की वजह से ही रेस्ट हाउस की बाउंड्रीवाल गिरी है। हमने नगर पंचायत को औपचारिक नोटिस जारी कर दिया है और स्पष्ट किया है कि दीवार का पुनर्निर्माण और मरम्मत का पूरा खर्च नगर पंचायत को ही उठाना होगा।

संसद में प्रधान का स्वागत कर केंद्र सरकार ने छात्रों के घाव पर छिड़का नमक : आलोक चंद्राकर

महासमुंद। छत्तीसगढ़ जीव जंतु कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष व कांग्रेस के प्रदेश संयुक्त महामंत्री आलोक चन्द्राकार ने संसद के पवित्र मकरद्वार पर पूर्व शिक्षा मंत्री का बाजे-गाजे के साथ स्वागत किए जाने की कृत्य का निंदा करते हुए इसे लोकतंत्र का मजाक और 28 करोड़ छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया है। चंद्राकर ने कहा कि पिछले दो वर्षों में पूरा देश देख रहा है कि एक तरफनीट, सीयूईटी और अन्य राष्ट्रीय परीक्षाओं में पेपर लीक की बाढ़ आ गई। दूसरी तरफ सड़कों पर अपने हक के लिए उतरे छात्रों पर लाठियां और जेल की कार्रवाई की गई। बिहार से लेकर राजस्थान तक, बच्चों के हाथ में किताब की जगह हथकड़ी आई। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी एक उद्योग बन चुकी है। जहां गरीब मेहनती छात्र

फेल हो जाते हैं और सिस्टम के दलाल पास हो जाते हैं। और जब जिम्मेदारी तय करने का समय आया, तो सरकार ने जांच नहीं की, निलंबन नहीं किया। उल्टे उसी सिस्टम के सबसे बड़े संरक्षक का संसद में ढोल-नगाड़ों से स्वागत कर दिया। यह स्वागत नहीं है। यह उन माताओं के आंसुओं का अपमान है जिनके बच्चे रात-रात भर पढ़कर भी सिस्टम की साजिश का शिकार हुए। यह उन शिक्षकों का अपमान है जो ईमानदारी से पढ़ाते हैं। आलोक ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार यह को यह समझ लेना चाहिए कि शिक्षा कोई इवेंट मैनेजमेंट नहीं है। यहां फेल होने पर दोबारा परीक्षा होती है, दोबारा सरकार नहीं बनती। केंद्र सरकार ने एनटीए को ढाल बना कर अपनी नाकामियों को छिपाया है। छात्रों की पीड़ा को कानून व्यवस्था का मुद्दा बना कर दबाया है, जिसे देश कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने मांग की है कि पेपर लीक के सभी मामलों की सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज से जांच हो। एनटीए को भंग कर एक पारदर्शी, राज्य भागीदारी वाली नई परीक्षा संस्था बनाई जाए। छात्रों पर लाठीचार्ज करने वाले अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज हो और पीड़ित परिवारों को मुआवजा मिले। शिक्षा बेचने वालों का स्वागत और पढ़ने वालों पर लाठी। यह नया भारत नहीं, यह टूटते भारत की तस्वीर है।

जर्जर भवन के चलते झोपड़ी में पढ़ाई करने को मजबूर मासूम, बारिश में भीगी जमीन पर संवर रहा भविष्य

भानुप्रतापपुर। विकासखंड दुर्गुकोंदल के ग्राम फितेफुलचुर में शिक्षा व्यवस्था की एक ऐसी दर्दनाक और भयावह तस्वीर सामने आई है, जो शासन-प्रशासन के दावों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। यहाँ के सरकारी स्कूल का भवन इतना जर्जर हो चुका है कि पिछले दो शिक्षा सत्रों से बच्चे ग्रामीणों द्वारा अस्थायी रूप से बनाई गई एक झोपड़ी में बैठकर पढ़ने को मजबूर हैं। हाल ही में हुई तेज बारिश के कारण झोपड़ी के नीचे की जमीन पूरी तरह से गीली और कीचड़युक्त हो गई है। कड़ाके की ठंड और बारिश के बीच कीचड़ भरी जमीन पर कांपते हुए मासूम बच्चे बैठकर अपना भविष्य गढ़ रहे हैं, लेकिन शिक्षा विभाग का इस ओर कोई ध्यान नहीं है।

ग्रामीणों ने चंदा जुटाकर और श्रमदान से बनाई झोपड़ी

गांव के ग्रामीण चैनू पुड़ो और डोमन मंडावी ने बताया कि स्कूल भवन की हालत बेहद खतरनाक हो चुकी है और बारिश के दिनों में इसके कभी भी ढहने का डर बना रहता है। बच्चों की जान की सुरक्षा और उनकी पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए ग्रामीणों ने खुद ही बीड़ा उठाया। गाँव के लोगों ने आपस में चंदा एकत्र किया, टीन की सीटें खरीदीं और श्रमदान कर बच्चों के बैठने के लिए एक अस्थायी झोपड़ी तैयार की। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन भले ही नए भवन के निर्माण के लिए राशि जारी करने में बेबस नज़र आ रहा हो, लेकिन वे अपने बच्चों की शिक्षा में भवन की कमी को आड़े नहीं आने देंगे।

गुहार लगाते-लगाते थक गए ग्रामीण

ग्रामीणों के अनुसार, वे लंबे समय से नया स्कूल भवन बनवाने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के चक्कर काट रहे हैं। लगातार माँग के बावजूद नए भवन के निर्माण को न तो स्वीकृति मिली है और ना ही कोई बजट जारी किया गया है।

नौनिहालों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा

बरसात के मौसम में झोपड़ी के अंदर पानी टपकने और जमीन गीली रहने से बच्चों के बीमार पड़ने का खतरा बढ़ गया है। ज़मीन पर बैठकर गीले माहौल में पढ़ाई कर रहे छोटे-छोटे बच्चों की स्थिति देखकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने शासन से गुहार लगाई है कि बच्चों के भविष्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ग्राम फितेफुलचुर में जल्द से जल्द नए स्कूल भवन के निर्माण की स्वीकृति दी जाए, ताकि इन नौनिहालों को मजबूरी और डर के साये में पढ़ाई न करनी पड़े।

नगर पालिका ने चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान

किरंदुल। नगर पालिका परिषद् किरंदुल द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से स्वच्छता दीदियों के माध्यम से नगर के मार्केट क्षेत्र एवं बस स्टैंड में जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान दुकानदारों एवं आम नागरिकों को ठोस अपशिष्ट का स्रोत स्तर पर पृथक्करण - गीला, सूखा, सैनिटरी एवं विशेष देखभाल अपशिष्ट करने, निर्धारित डस्टबिन का उपयोग करने तथा नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान दुकानदारों से सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग पूर्णतः बंद करने तथा इसके स्थान पर पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने की अपील की गई। स्वच्छता दीदियों ने बताया कि सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है तथा शासन द्वारा इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। नागरिकों से अपील की गई कि वे प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री का उपयोग एवं विक्रय न करें तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 का पालन करते हुए नगर को स्वच्छ रखने में नगर पालिका का सहयोग करें।

प्रकाश विद्यालय किरंदुल में हुआ अलंकरण समारोह, मुख्य अतिथि ने कहा- विजयी होने से अधिक कठिन हैं कर्तव्यों का निर्वहन

किरंदुल। प्रकाश विद्यालय किरंदुल में अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रुबी शैलेंद्र सिंह एवं सम्माननीय अतिथि राजीव जेम्स कुजूर एस.डी.एम. बड़े बचेली रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना, नृत्य एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। रुबी शैलेंद्र सिंह ने उदबोधन में बताया कि विजयी होना आसान है, लेकिन उससे भी अधिक कठिन अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना है। वहीं राजीव जेम्स कजूर ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। समारोह में सभी अतिथियों ने हेड बॉय, हेड गर्ल एवं सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई एवं बैच लगाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पार्षद के साजी, प्रकाश विद्यालय के प्राचार्य फादर दिलीप टी. मैथ्यू, उपप्राचार्य सिस्टर मागरिट, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

सरस्वती सायकल योजना से सशक्त होंगी बेटियां, 71 छात्राओं को मिला योजना का लाभ

नारायणपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप एवं कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देशानुसार जिले में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने तथा छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुगमता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बंगलापारा में 28 जुलाई 2026 को सायकल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद नारायणपुर के अध्यक्ष इन्द्र प्रसाद बघेल थे। इस अवसर पर वार्ड पार्षदगण, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्राएं

बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की 71 पात्र छात्राओं को निःशुल्क सायकलों का वितरण किया गया। सायकल प्राप्त करते ही छात्राओं के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था। छात्राओं ने कहा कि अब उन्हें विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी, समय की बचत होगी तथा नियमित रूप से अध्ययन करने में और अधिक प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि इन्द्र प्रसाद बघेल ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शासन की यह योजना बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने छात्राओं से सायकलों का सुरक्षित उपयोग करते हुए नियमित रूप से विद्यालय आने और शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने का आह्वान किया।

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर दिव्य जीवन संघ के 25 सदस्य योग नगरी ऋषिकेश में हुए शामिल

महासमुंद। गुरुपूर्णिमा के अवसर पर दिव्य जीवन संघ महासमुंद के 25 सदस्य योग नगरी ऋषिकेश में शामिल हुए। उल्लेखनीय हैं कि गुरुपूर्णिमा के अवसर पर 29 जुलाई से स्वामी शिवानन्द सरस्वती के 63 वीं पुण्यतिथि एवं गुरुपूर्णिमा के अवसर में साधना सप्ताह का आयोजन हो रहा हैं यहाँ देश एवं विदेश से लोग शामिल होने आते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए 4 अगस्त को बिलासपुर में होगा 'मिशन निरंतर मिलाप' आउटरीच कार्यक्रम

बिलासपुर। भारतीय सेना की रिकॉर्ड्स एवं मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट द्वारा पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके आश्रितों की पेंशन, दस्तावेजीकरण और कल्याण संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए 4 अगस्त 2026 को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, बिलासपुर में 'मिशन निरंतर मिलाप 1.0 (चरण-पर)' आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया जाएगा। इसमें बिलासपुर सहित जांजगीर-चांपा, सक्ती, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, मुंगेली, कोरबा जिलों के पूर्व सैनिक, वीर नारियां एवं उनके आश्रित भाग ले सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान पेंशन, दस्तावेजों के अद्यतन, ईसीएचएस, सेवा एवं कल्याण संबंधी विभिन्न समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। प्रतिभागियों से डिस्चार्ज बुक, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ईसीएचएस कार्ड तथा पीपीओ (पेंशन भुगतान आदेश) सहित आवश्यक दस्तावेज साथ लाने का अनुरोध किया गया है। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय ने सभी पात्र पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके आश्रितों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस विशेष पहल का लाभ उठाने की अपील की है।

लघु अवधि प्रशिक्षण कोर्स हेतु आवेदन 8 अगस्त तक

बिलासपुर। शासकीय महिला आईटीआई कोनी द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए रोजगार एवं स्वरोजगारमुखी शुल्क आधारित लघु अवधि प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश हेतु 8 अगस्त 2026 तक आवेदन मंगाये गये है। इच्छुक आवेदिका जनरल ड्यूटी असिस्टेंट, ब्यूटी पार्लर एवं फैशन डिजाइनिंग एवं सिलाई कोर्स हेतु आवेदन कर सकती है। प्रवेश हेतु आवेदन फार्म एवं विस्तृत जानकारी हेतु संस्था कार्यालय में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते है।

बाघ की खाल के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार, सूरजपुर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

सूरजपुर। भोपाल से दूरभाष के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि आपके वनमण्डल अंतर्गत वन्यप्राणी के खाल एवं अन्य अवशेष (शल्क) तस्करी होने की संभावना है। तत्पश्चात् वनमण्डलाधिकारी सूरजपुर द्वारा दिनांक 27.07.2026 को वनकर्मी रमेश सिंह, मनोज जायसवाल, महेन्द्र प्रसाद, सत्यप्रकाश, राजाराम, अजय राजवाड़े एवं भोपाल के सदस्यों की दो संयुक्त टीम गठित कर प्राप्त सूचना के आधार पर घेराबंदी करने के निर्देश देते हुये के कर्मचारियों के साथ ज्वाईन्ट सर्च ऑपरेशन चलाया गया। . एक टीम भोपाल के साथ एवं दूसरी टीम को प्राप्त लोकेशन वनपरिक्षेत्र सूरजपुर एवं कुदरगढ़ की ओर रवाना किया गया। संदिग्धों का पता चलने पर दोनो टीमों द्वारा ओड़गी-भैयाथान मार्ग में ग्राम बैजनाथपुर के पास धरसेड़ी रोड पर घेराबंदी किया गया। घेराबंदी के दौरान तीन व्यक्तियों को संदेह के आधार पर रोक कर भैयाथान की ओर आते हुये पाये जाने पर व प्राप्त सूचना तथा हुलिया के आधार पर पूछताछ किया गया। उनके हावभाव को देखते हुये उनके पास रखे हुये सामानो की तलाशी लिये जाने पर, तलाशी के दौरान बाघ का खाल (मांस) एवं वन्यजीव पैंगोलिन का शल्क (स्केल) बरामद हुआ। तीनो व्यक्तियो से मौके पर बाघ का खाल (मांस) एवं वन्यजीव पैंगोलिन का शल्या (स्केल) के संबंध में पूछताछ किया गया। अभियुक्त 1-टिकेश्वर प्रसाद राजवाड़े आ. रामकिशुन राजवाड़े, जाति-रजवार, उम्र-38 वर्ष, साकिन-धरसेड़ी (नावापारा), थाना-ओड़गी, जिला-सूरजपुर (छ.ग.). 2-भुखनलाल आ. रानलाल, जाति-पण्डो, उम्र लगभग 56 वर्ष, साकिन भंवरखोह (आगापान), थाना-ओड़गी, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) 3-गरीबलाल आ. रामदयाल, जाति पण्डो, उम्र लगभग 58 वर्ष, साकिन-साकिन-भंवरखोह (आमापानी), थाना-ओड़गी, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) से बाघ का खाल (मांस) एवं वन्यजीव पैंगोलिन का शल्क (स्केल) बरामद हुआ।

शंकरगढ़ में 4 लाख की चोरी का खुलासा, चोरी के जेवरात पर गोल्ड लोन लेने वाली महिला समेत 3 गिरफ्तार

बलरामपुर। जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में घर का ताला तोड़कर करीब 4 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात, नकदी और सीसीटीवी कैमरे चोरी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपियों में चोरी के जेवरात के बदले गोल्ड लोन लेने वाली महिला भी शामिल है। पुलिस के अनुसार, बचवार निवासी अर्पण कुमार उरांव ने थाना शंकरगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 31 दिसंबर 2025 को दोपहर करीब 2 बजे से शाम 4:30 बजे के बीच अज्ञात चोर उसके घर का दरवाजा और अलमारी का लॉक तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात, 3,000 नकद और दो सीसीटीवी कैमरे चोरी कर ले गए।

सरकारी अस्पताल में संसाधनों की कमी नहीं, सेवा और संवेदनशीलता दिखे

कलेक्टर संजय अग्रवाल का जिला अस्पताल में औचक निरीक्षण

- डॉक्टरों को समयपालन और बेहतर इलाज के दिए निर्देश
- मरीजों से आत्मीय संवाद कर कलेक्टर ने जाना हाल
- अम्मा कैसे हो, क्या हो गया, सब ठीक हो जायेगा: कलेक्टर

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं और मरीजों को मिल रही सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया। लगभग डेढ़ घंटे तक चले निरीक्षण में उन्होंने ओपीडी, विभिन्न वार्डों, डायलिसिस यूनिट, धनवंतरी मेडिकल स्टोर, नशा मुक्ति केंद्र, जिला पुनर्वास केंद्र, किचन तथा निर्माणाधीन मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर का निरीक्षण किया। मरीजों से सीधे संवाद कर उपचार की जानकारी ली और चिकित्सकों को सेवा की गुणवत्ता एवं मानवीय व्यवहार को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सुबह लगभग सवा दस बजे तक तीन-चार चिकित्सक अनुपस्थित मिले। कलेक्टर ने तत्काल उनसे दूरभाष पर संपर्क कर अनुपस्थिति का कारण पूछा और भविष्य में समय पर उपस्थित रहने की कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अस्पताल आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर उपचार और सम्मानजनक व्यवहार मिलना चाहिए। विभिन्न ओपीडी के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उपलब्ध संसाधनों के बावजूद अपेक्षाकृत कम मरीजों के जिला अस्पताल पहुंचने पर चिंता व्यक्त की। विशेष रूप से नेत्र एवं दंत रोग विभाग में प्रतिदिन केवल 30 से 35 मरीज आने की

जानकारी मिलने पर उन्होंने दोनों विभागों को स्कूलों एवं महाविद्यालयों में विशेष जांच शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के निर्देश दिए। वार्ड निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने भर्ती मरीजों से आत्मीयता से चर्चा की। आपातकालीन वार्ड में भर्ती एक बुजुर्ग महिला का हालचाल पूछते हुए उन्होंने कहा, ष्अम्मा, कैसे हो... सब ठीक हो जाएगा। कलेक्टर के आत्मीय व्यवहार से महिला भावुक हो गई और उसने अस्पताल में मिल रहे उपचार पर संतोष व्यक्त किया। कलेक्टर ने चिकित्सकों से कहा कि निजी अस्पतालों की तुलना में जिला अस्पताल में पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं। आवश्यकता केवल इन संसाधनों का बेहतर उपयोग कर मरीजों का विश्वास जीतने की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मरीज संतुष्ट होकर अस्पताल से लौटे, यही सभी का प्रयास होना चाहिए। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना का अधिकतम लाभ पात्र मरीजों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। जिन मरीजों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनके कार्ड खाद्य विभाग के समन्वय से तत्काल बनवाने को कहा। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में लगभग 30 मरीजों का उपचार आयुष्मान योजना के माध्यम से किया जा रहा है।अस्पताल में छोटे-मोटे मरम्मत एवं सुधार कार्यों में सीजीएमएससी स्तर पर हो रही देरी पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए आवश्यक कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। धनवंतरी मेडिकल स्टोर के निरीक्षण के दौरान उन्हें बताया गया कि यहां प्रतिदिन औसतन 25 हजार रुपये की दवाओं की बिक्री होती है। उन्होंने अटल आरोग्य लैब की जांच सुविधाओं का भी जायज़ा लिया। कलेक्टर ने अस्पताल परिसर में संचालित नशा मुक्ति केंद्र एवं जिला पुनर्वास केंद्र का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि यहां लगभग 400 लोगों को नियमित दवा एवं परामर्श दिया जा रहा है।

एसईसीएल मुख्यालय में 62वीं कंपनी स्तरीय द्विपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुआ

बिलासपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय स्थित वसंत क्लब, बिलासपुर में बुधवार को 62वीं कंपनी स्तरीय द्विपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों एवं श्रमिक प्रतिनिधियों ने सुरक्षा सर्वोपरि, सुरक्षा से समृद्धि के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए सुरक्षित कार्य संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा शून्य दुर्घटना के लक्ष्य की दिशा में सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया। द्विपक्षीय सुरक्षा समिति एसईसीएल में सुरक्षा संबंधी विषयों पर प्रबंधन एवं श्रमिक प्रतिनिधियों के बीच संवाद का सर्वोच्च मंच है। बैठक की अध्यक्षता निदेशक (तकनीकी /संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार ने की। इस अवसर पर निदेशक (तकनीकी/ योजना एवं परियोजना) श्री रमेश

चन्द्र महापात्र, सभी क्षेत्रों के महाप्रबंधक, मुख्यालय के विभागाध्यक्ष, द्विपक्षीय सुरक्षा समिति के सदस्य तथा विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं बचाव) श्री प्रकाश राय के स्वागत संबोधन से हुआ। निदेशक (तकनीकी/ संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार ने सभी प्रतिभागियों को सुरक्षा शपथ दिलाते हुए कहा कि सुरक्षित कार्य संस्कृति केवल नियमों के पालन से नहीं, बल्कि प्रत्येक कर्मचारी की जागरूकता, अनुशासन और जिम्मेदारी से विकसित होती है। उन्होंने सभी से सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सामूहिक प्रयासों से शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त करने का आह्वान किया। अपने संबोधन में निदेशक (तकनीकी/ योजना एवं परियोजना) श्री रमेश चन्द्र महापात्र ने कहा कि आधुनिक तकनीकों, सतत प्रशिक्षण तथा सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी से ही सुरक्षित एवं उत्पादक कार्य वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने सुरक्षा मानकों के प्रभावी अनुपालन और निरंतर सुधार पर विशेष बल दिया।

सेवानिवृत्त हो रहे मंडल रेल परिवार के 38 सदस्यों को दी गई भावभीनी विदाई

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत 38 रेल परिवार के सदस्य माह जुलाई 2026 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत्त हुये । मंडल रेल प्रबंधक परिसर स्थित सीबीटी परीक्षा केंद्र में आयोजित सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त हो रहे समस्त कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई । इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी श्री यू शिव शंकर राव द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को बंदोबस्त भुगतान से संबंधित समस्त दस्तावेज,सेवा प्रशस्ति प्रमाण-पत्र एवं सेवा मैडल आदि प्रदान किया गया । इस दौरान मुख्य कार्यालय अधीक्षक (आईटी) श्री सेवक रजक द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उम्मीद कार्ड (मेडिकल) व बंदोबस्त से संबन्धित नियमों से

अवगत कराया गया । समारोह में सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन, मंडल कल्याण निरीक्षक एवं कार्मिक निपटारा शाखा के कर्मचारी भी उपस्थित रहे । मंडल के सेवानिवृत्त हो रहे 38 रेल परिवार के सदस्यों में विद्युत विभाग से 10, इंजीनियरिंग विभाग से 13, परिचालन विभाग से 07, मेकेनिकल विभाग से 03, वाणिज्य विभाग से 03, सिग्नल व दूरसंचार विभाग से 01 तथा कार्मिक विभाग से 01 कर्मचारी शामिल हैं । इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी गौरवशाली रेल सेवा के लिए बधाई दी तथा तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु होने की कामना की गई ।

कन्हर रिवर फ्रंट निर्माण की दिशा में बढ़ा कदम

रामानुजगंज। नगरवासियों की वर्षों पुरानी बहुप्रतीक्षित मांग अब साकार होती नजर आ रही है। नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल सहित नगर के जनप्रतिनिधियों और नागरिकों द्वारा लगातार कन्हर नदी के किनारे रिवर फ्रंट निर्माण की मांग की जा रही थी। अब कृषि मंत्री राम विचार नेताम की पहल पर इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लेकर प्रशासनिक स्तर पर कार्य प्रारंभ हो गया है। गुरुवार को जल संसाधन विभाग एवं सर्वेक्षण टीम कनहर नदी तट पर पहुंची, जहां अत्याधुनिक कंटूर ड्रोन तकनीक के माध्यम से विस्तृत सर्वे किया गया। ड्रोन की सहायता से नदी के किनारे की भौगोलिक स्थिति, भूमि की ऊंचाई, ढलान तथा निर्माण की संभावनाओं का सूक्ष्म परीक्षण किया गया। सर्वेक्षण के दौरान विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न बिंदुओं का तकनीकी निरीक्षण भी किया। सर्वे कर रही टीम के सदस्यों ने बताया कि प्रारंभिक योजना के अनुसार लगभग 300 मीटर लंबाई में कन्हर रिवर फ्रंट विकसित किया जाएगा। परियोजना के तहत नदी किनारे आकर्षक वॉकिंग पाथ, आधुनिक घाट, बैठने की व्यवस्था, हाईमास्ट एवं सजावटी लाइटिंग, हरियाली, फूल-पौधों का विकास, सौंदर्यीकरण तथा लोगों के घूमने-फिरने और समय बिताने के लिए आकर्षक संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों की सुविधा के अनुरूप अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। नगरवासियों का मानना है कि कन्हर रिवर फ्रंट बनने से रामानुजगंज को एक नई पहचान मिलेगी।

भारत में पहली बार ट्रेन से लाइव हार्ट का परिवहन, वंदे भारत एक्सप्रेस से सूरत से अहमदाबाद पहुंचा जीवित हृदय

बिलासपुर। भारतीय रेल ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार वंदे भारत एक्सप्रेस के माध्यम से जीवित हृदय का सफलतापूर्वक परिवहन किया। सूरत से अहमदाबाद तक हृदय को ट्रेन संख्या 20901 मुंबई सेंट्रलङ्कगांधीनगर कैपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस से सुरक्षित एवं निर्धारित समय में पहुंचाया गया।

इस हृदय का प्रत्यारोपण यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफकार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर, अहमदाबाद में किया जाएगा। यह अत्यंत संवेदनशील और समयबद्ध जीवनरक्षक अभियान भारतीय रेल, गुजरात राज्य पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल तथा चिकित्सा टीमों के बीच उत्कृष्ट समन्वय का उदाहरण रहा। हृदय को अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 से यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफकार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर तक सुरक्षित एवं निर्बाध रूप से पहुंचाने के लिए ऋक्रत्र और गुजरात राज्य पुलिस द्वारा ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। इसके माध्यम से अंग को निर्धारित समयसीमा के भीतर अस्पताल पहुंचाया गया, ताकि प्रत्यारोपण प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो। मंडल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद, श्री वेद प्रकाश ने कहा, यह भारतीय रेल के लिए अत्यंत गर्व और संतोष का क्षण है कि वंदे भारत एक्सप्रेस के माध्यम से एक जीवित हृदय को सूरत से अहमदाबाद तक सुरक्षित और समयबद्ध तरीके से पहुंचाया गया। ऐसे जीवनरक्षक मिशन में समय का प्रत्येक क्षण महत्वपूर्ण होता है। भारतीय रेल, ऋक्रत्र, गुजरात राज्य पुलिस और चिकित्सा टीमों के बीच उत्कृष्ट समन्वय ने इस अभियान को सफल बनाया। किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में भारतीय रेल की भूमिका निभाना हमारे लिए केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सेवा और मानवता का सर्वोच्च दायित्व है। वंदे भारत एक्सप्रेस की गति, समयपालन और विश्वसनीयता ने इस जीवनरक्षक अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह उपलब्धि दर्शाती है कि भारतीय रेल केवल यात्रियों और माल के परिवहन तक सीमित नहीं है, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर आपातकालीन एवं जीवनरक्षक स्वास्थ्य सेवाओं में भी महत्वपूर्ण सहयोगी की भूमिका निभा रही है। इस ऐतिहासिक मिशन की सफलता में भारतीय रेल के विभिन्न विभागों, ऋक्रत्र, गुजरात राज्य पुलिस, चिकित्सकों, अंग प्रत्यारोपण समन्वयकों तथा सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में आधुनिक ट्रैक मशीनों से रेल पथ अनुरक्षण को नई गति

- यात्रियों की संरक्षित, सुगम एवं आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक ट्रैक मशीनों से किया जा रहा है रेल पथ का अनुरक्षण
- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 92 आधुनिक ट्रैक मशीनें रेल संरक्षा एवं उच्च गति रेल संचालन को दे रही हैं मजबूती

बिलासपुर। भारतीय रेलवे के सबसे महत्वपूर्ण माल परिवहन क्षेत्रों में अग्रणी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे लगभग 5,500 ट्रैक किलोमीटर के विशाल रेल नेटवर्क पर प्रतिदिन लगभग 400 से अधिक यात्री एवं मालगाड़ियों का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित कर रहा है। इतनी व्यापक रेल संरचना के संरक्षित एवं निर्बाध संचालन के लिए रेल पथ का नियमित एवं उच्च गुणवत्ता वाला अनुरक्षण अत्यंत आवश्यक है। रेलवे ट्रैक केवल दो रेल पटरियों का समूह नहीं है, बल्कि यह रेल, स्लीपर, बैलास्ट (गिट्टी), फास्टनिंग एवं ज्यामितीय मानकों से मिलकर बनी एक अत्यंत संवेदनशील संरचना है। ट्रैक की लाइनिंग, लेवलिंग, अलाइनमेंट तथा बैलास्ट की गुणवत्ता सीधे तौर पर रेल परिचालन की संरक्षा, गति और यात्रियों के आरामदायक सफर को प्रभावित करती है। इसलिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे आधुनिक तकनीक आधारित ट्रैक मशीनों के माध्यम से रेल पथ अनुरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। आधुनिक ट्रैक मशीनों के उपयोग से ट्रैक अनुरक्षण कार्य अधिक तेज, सटीक, संरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से सम्पन्न हो रहे हैं। इन मशीनों के माध्यम से भारी-भरकम कार्य कम समय में संपन्न होने के साथ-साथ ट्रैक कर्मियों की संरक्षा भी सुनिश्चित होती है तथा ट्रेनों के परिचालन पर न्यूनतम प्रभाव पड़ता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में तीसरी, चौथी एवं नई रेल लाइनों

के निर्माण के साथ-साथ विद्यमान रेल पथ के अनुरक्षण में ट्रैक मशीनों की भूमिका निरंतर बढ़ रही है। विशेष रूप से नागपुरङ्कझारसुगुड़ा मुख्य रेलखंड पर 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति से रेल परिचालन को ध्यान में रखते हुए उच्च गुणवत्ता वाले ट्रैक अनुरक्षण की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। इसी दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 (01 अप्रैल से 30 जून 2026) के दौरान ट्रैक मशीनों के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। इस अवधि में 2,042 किलोमीटर प्लेन ट्रैक टैंपिंग, 907 टर्नआउट टैंपिंग, 102 किलोमीटर डीप स्क्रीनिंग (गिट्टी छनाई), 50 किलोमीटर ट्रैक रिन्यूअल एवं 58 टर्नआउट रिन्यूअल का कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया है। यह उपलब्धियाँ उपलब्ध ब्लॉक समय के प्रभावी उपयोग एवं बेहतर योजना के साथ प्राप्त की गई हैं। वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 92 आधुनिक ट्रैक मशीनें रेल पथ अनुरक्षण के लिए कार्यरत हैं। इनमें सीएसएम, ड्योमैटिक, एमपीटी, यूनिमेट, बीसीएम, एफआरएम, पीक्यूआरएस, टी-28, बीआरएम, डीजीएस, यूटीवी सहित अनेक अत्याधुनिक मशीनें शामिल हैं। इन मशीनों के संचालन एवं रखरखाव के लिए ट्रैक मशीन संगठन में लगभग 900 प्रशिक्षित कर्मचारी कार्यरत हैं। रेल पथ अनुरक्षण का कार्य दिन-रात, हर मौसम में निरंतर चलता रहता है। ट्रैक मशीनों एवं समर्पित रेल कर्मियों के समन्वित प्रयासों से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे संरक्षित, विश्वसनीय एवं समयबद्ध रेल परिचालन सुनिश्चित कर रहा है। दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा संरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित करने हेतु आधुनिक ट्रैक मशीनों द्वारा ट्रैक अनुरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का सतत प्रयास है कि प्रत्येक रेल यात्री को संरक्षित, आरामदायक एवं विश्वसनीय यात्रा का अनुभव प्राप्त हो तथा भारतीय रेलवे के प्रति यात्रियों का विश्वास और अधिक सुदृढ़ होता रहे।

आईजीपी राम गोपाल गर्ग ने ली रायगढ़ पुलिस की समीक्षा बैठक संपन्न

रायगढ़ । पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज राम गोपाल गर्ग ने मुख्यमंत्री के रायगढ़ प्रवास कार्यक्रम के सफल समापन के बाद पुलिस कंट्रोल रूम में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों, थाना एवं चौकी प्रभारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विवेचना की गुणवत्ता की विस्तृत समीक्षा की गई। आईजीपी ने कहा कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के नेतृत्व में रायगढ़ पुलिस सराहनीय कार्य कर रही है, लेकिन बदलते समय की चुनौतियों को देखते हुए पुलिसिंग को अधिक प्रोफेशनल, तकनीक आधारित और परिणाममुखी बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि नवीन आपराधिक कानूनों के तहत सात वर्ष या उससे अधिक सजा वाले मामलों में 90 दिनों तथा अन्य मामलों में 60 दिनों के भीतर विवेचना पूरी कर न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया जाए। लंबित प्रकरणों की श्रेणीवार समीक्षा कर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने और सामान्य अपराधों का अधिकतम आठ दिनों में निपटारा करने पर भी जोर दिया गया। आईजीपी ने ई-साक्ष्य संकलन, ऑडियो-वीडियोग्राफी, सीसीटीएनएस में समय पर प्रविष्टि, डिजिटल सिग्नेचर के उपयोग तथा स्द्दत्रस्थ्रद्धक्र पोर्टल के माध्यम से मेडिकल अनुरोध भेजने को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश दिए।

सावन में साफ करें पूजा के पीतल और तांबे के बर्तन

सावन का महीना शुरू होते ही घरों में पूजा-पाठ का माहौल बन जाता है। इस दौरान कई लोग भगवान की पूजा के लिए पीतल और तांबे के बर्तनों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन लंबे समय तक रखे रहने या नमी के कारण इन बर्तनों पर कालापन और दाग जम जाते हैं, जिससे उनकी चमक फीकी पड़ जाती है। ऐसे में बाजार से महंगे क्लीनर खरीदने की जरूरत नहीं है। घर में मौजूद कुछ आसान चीजों की मदद से आप पीतल और तांबे के बर्तनों को फिर से चमका सकते हैं।

नींबू और नमक से करें सफाई

पीतल और तांबे के बर्तनों की सफाई के लिए नींबू और नमक सबसे आसान और असरदार उपाय माना जाता है। एक नींबू को बीच से काट लें और उस पर थोड़ा-सा नमक लगा दें। अब इसे बर्तन पर हल्के हाथों से रगड़ें। 5 से 10 मिनट बाद पानी से धोकर सूखे कपड़े से पोंछ दें। इससे जमे हुए दाग और कालापन काफी हद तक साफ हो जाता है।

इमली के गूदे का करें इस्तेमाल

अगर बर्तन पर पुराने और जिद्दी दाग हैं, तो इमली का गूदा भी मददगार साबित हो सकता है। इमली को थोड़ी देर पानी में भिगोकर उसका गूदा निकाल लें और इसे बर्तनों पर लगाकर कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद मुलायम स्क्रबर से हल्के हाथों से साफ करें और पानी से धो लें।

बेकिंग सोडा और नींबू का पेस्ट :

बेकिंग सोडा और नींबू का मिश्रण भी पीतल और तांबे के बर्तनों की सफाई में कारगर माना जाता है। दोनों को मिलाकर पेस्ट तैयार करें और बर्तन पर लगाएं। 10 मिनट बाद मुलायम स्पंज से रगड़कर धो लें। इससे बर्तनों की चमक वापस आने में मदद मिल सकती है।

सिरका और नमक का घोल

अगर तांबे के बर्तन ज्यादा काले पड़ गए हैं, तो सिरका और नमक का घोल इस्तेमाल किया जा सकता है। दोनों को मिलाकर बर्तन पर लगाएं और कुछ मिनट बाद हल्के हाथों से रगड़ें। फिर साफ पानी से धोकर तुरंत सूखे कपड़े से पोंछ दें। इससे दाग हटने और चमक लौटने में मदद मिलती है।

बेसन और दही से भी आएगी चमक

अगर आप केमिकल-फ्री तरीका अपनाना चाहते हैं, तो बेसन और दही का गाढ़ा पेस्ट बनाकर बर्तनों पर लगाएं। 10 से 15 मिनट बाद हल्के हाथों से रगड़ते हुए साफ करें। यह तरीका बर्तनों की गंदगी हटाने के साथ उनकी नेचुरल चमक बनाए रखने में भी मदद करता है।

घर में अपराजिता का पौधा लगाने की सोच रहे हैं?

पहले जान लें ये 5 जरूरी बातें

हमारे सनातन धर्म और वास्तु शास्त्र में पेड़-पौधों को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया गया है। माना जाता है कि अगर आप अपने घर में सही पौधे लगाते हैं तो इससे पॉजिटिव एनर्जी आती है और साथ ही सुख-समृद्धि भी बनी रहती है। इन्हीं शुभ पौधों में से एक है अपराजिता का पौधा। कई लोग इसे विष्णुकांता या नीलकंठ के नाम से भी जानते हैं। इसके नीले और सफेद रंग के फूल देखने में बहुत ही सुंदर लगते हैं और साथ ही यह पौधा भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को भी बहुत प्रिय है।

अगर आप अपने घर पर अपराजिता का पौधा लगाने की सोच रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके काम का है। जानकारों के अनुसार अगर आप इस पौधे का पूरा फायदा लेना चाहते हैं, तो यह आपको तभी मिलता है जब आप इसे लगाते समय कुछ जरूरी बातों का ख्याल रखें। अगर आप इस पौधे को लगाते समय कुछ गलती कर देते हैं, तो आपको इसका पूरा फायदा या फिर शुभ फल नहीं मिल पाता है। तो चलिए बहुत ही आसान शब्दों में समझते हैं कि घर पर अपराजिता का पौधा लगाने से पहले आपको सबसे जरूरी बातों का ख्याल रखना चाहिए।

सही दिशा में रखना है सबसे जरूरी

वास्तु शास्त्र के हिसाब से आपको अपने घर पर अपराजिता के पौधे को हमेशा ही पूर्व, उत्तर या फिर उत्तर-पूर्व दिशा में ही लगाना चाहिए। उत्तर-पूर्व दिशा को सबसे शुभ माना जाता है क्योंकि इसी को भगवान का स्थान भी माना जाताहै। जब आप इस दिशा में अपराजिता का पौधा लगाते हैं, तो पोरे घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ने लगती है और साथ ही मेंटल स्ट्रेस भी कम होता है। गलती से भी इस पौधे को दक्षिण या फिर पश्चिम दिशा में न लगाएं, क्योंकि वहां पर इस पौधे को रखना कभी भी अच्छा नहीं माना जाता है।

सही दिन और समय पर लगाएं

अगर आप अपराजिता के इस पौधे को अपने घर लेकर आ रहे हैं या फिर लगाने का सोच रहे हैं, तो इसका भी एक सही समय होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार इस पौधे को घर पर लगाने के लिए गुरूवार और शुक्रवार का दिन सबसे अच्छा होता है। गुरुवार का दिन भगवान विष्णु का होता है और वही शुक्रवार का दिन धन की देवी यानी कि माता लक्ष्मी का। इन दिनों में पौधा लगाने से घर में पैसों की तंगी दूर होती है और बरकत आती है।

घर का कौन-सा कोना सबसे पहले साफ करना चाहिए?

ज्यादातर लोग करते हैं गलती

घर की सफाई करते समय ज्यादातर लोग बिना सोचे-समझे किसी भी कमरे से शुरुआत कर देते हैं। कोई बेडरूम से सफाई शुरू करता है तो कोई ड्रॉइंग रूम से। कई लोग तो सबसे पहले झाड़ू-पोछा लगाने लगते हैं। लेकिन अगर आप भी ऐसा करते हैं, तो हो सकता है कि आपकी मेहनत और समय दोनों ज्यादा लग रहे हों। सफाई से जुड़े एक्सपर्ट का कहना है कि घर साफ करने का भी एक सही क्रम होता है और अगर उसी के अनुसार काम किया जाए तो पूरा घर कम समय में ज्यादा व्यवस्थित और साफ नजर आता है।

अगर सवाल यह है कि घर का कौन-सा हिस्सा सबसे पहले साफ करना चाहिए, तो जवाब है रसोई। यह सुनकर कई लोगों को हैरानी हो सकती है, लेकिन एक्सपर्ट का मानना है कि सफाई की शुरुआत हमेशा किचन से करनी चाहिए। इसकी वजह सिर्फ गंदगी नहीं, बल्कि सफाई को आसान और प्रभावी बनाना भी है।

क्यों किचन की सफाई पहले जरूरी?

दरअसल, किचन घर का वह हिस्सा है जहां सबसे ज्यादा तरह की सफाई करनी पड़ती है। यहां काउंटर, गैस स्टोव, सिंक, चिमनी, कैबिनेट, फ्रिज और कई छोटे-बड़े उपकरण रोज इस्तेमाल होते हैं। खाना बनाने के दौरान तेल की चिकनाई, मसालों के दाग, खाने के छोटे-छोटे कण और नमी आसानी से जमा हो जाती है। अगर इनकी नियमित सफाई न हो तो बैक्टीरिया पनपने का खतरा भी बढ़ जाता है। यही कारण है कि विशेषज्ञ सबसे पहले इसी हिस्से को साफ करने की सलाह देते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि - चंद्रमा 11वें भाव में होने से घर के बड़े-बुजुर्गों का ध्यान रखें। नया काम या व्यावसायिक बदलाव की प्लानिंग के लिए सुबह 08:15-10:15 या दोपहर 01:15-02:15 का समय उत्तम है। बड़ी कॉर्पोरेट मीटिंग को लीड करने का मौका मिलेगा। अटका हुआ लोन बिना अड़चन पास होकर खाते में आ जाएगा। जूनियर कर्मचारियों की सलाह पर गंभीरता से विचार करें। ऑफिस नियमों का पालन करें।

वृषभ राशि - चंद्रमा 10वें भाव में होने से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में उन्नति होगी। व्यापार व सौभाग्य योग : बिजनेस से जुड़ी चिंताओं का सही समाधान मिलेगा। सौभाग्य योग के प्रभाव से आपके प्रयास फलीभूत होंगे। कमर्शियल पार्टनर्स के साथ संबंध और मजबूत होंगे। ऑफिस वर्क के लिए टू-डू लिस्ट बनाकर काम करें।

मिथुन राशि - चंद्रमा 9वें भाव में होने से सोशल लाइफ और जनसंपर्क मजबूत रहेगा। धन का सही निवेश करें, फिलहाल नई वित्तीय योजनाओं में बड़ा पैसा लगाने से बचें। सौभाग्य योग से नौकरीपेशा लोगों के प्रमोशन के योग बन रहे हैं। ऑफिस में बॉस आपकी टेक्निकल स्किल्स की तारीफ करेंगे, जिससे विरोधी जलेंगे।

कर्क राशि - ग्रहण दोष सावधान रहें, चंद्रमा 8वें भाव में होने और चंद्र-राहु ग्रहण दोष के कारण वाहन चलाते समय व डील्स में सावधानी बरतें। नई बिजनेस प्लानिंग फिलहाल टाल दें। बिजनेस पार्टनर या क्लाइंट्स के साथ बातचीत में कड़वे शब्दों का इस्तेमाल न करें, वरना बड़ा नुकसान हो सकता है। ऑफिस में लेटलतीफी से काम पेंडिंग हो सकता है। किसी की भावनात्मक बातों में आकर फैसला न लें।

सिंह राशि - चंद्रमा 7वें भाव में होने से नए बिजनेस की शुरुआत और विस्तार के लिए दिन अनुकूल है। नए काम की शुरुआत के लिए शुभ चौघड़िया समय (08:15-10:15 / 01:15-02:15) का उपयोग करें। सरकारी नियमों के पालन से पुराने टैक्स/लीगल नोटिस से मुक्ति मिलेगी। अटके काम फिर शुरू होंगे। काम पर ध्यान दें, स्थितियां धीरे-धीरे आपके पक्ष में आएंगी।

कन्या राशि - चंद्रमा 6ठे भाव में होने से किसी पुरानी और गंभीर बीमारी से राहत मिलेगी। बिजनेस लोन चुकाने में सफलता मिलेगी जिससे मानसिक तनाव खत्म होगा। ग्राहकों के साथ मधुर संबंध बनाए रखें। लक्ष्य प्राप्ति में किसी करीबी का भरपूर सहयोग मिलेगा। सहकर्मियों और अधिकारियों से मान-सम्मान मिलेगा। पदोन्नति के नए मौके मिल सकते हैं। सामाजिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे।

तुला राशि- चंद्रमा 5वें भाव में होने से छात्रों और कारोबारियों के लिए दिन बेहद फलदायी रहेगा। सौभाग्य योग के प्रभाव से अचानक कोई बड़ा व्यावसायिक सौदा हो सकता है। ऑनलाइन व ऑफलाइन बिजनेस का कॉम्बिनेशन ब्रांड वैल्यू बढ़ाएगा। नया निवेश फायदेमंद रहेगा। अधिकारियों से मदद मिलेगी। टारगेट पूरा करने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी होगी।

वृश्चिक राशि - ग्रहण दोष सावधान रहें, चंद्रमा 4थे भाव में होने से माता की सेहत का ध्यान रखें और आर्थिक मामलों में सतर्क रहें। चंद्र-राहु ग्रहण दोष से वित्तीय स्थिति में उतार-चढ़ाव आ सकता है। रिनोवेशन पर अत्यधिक खर्च से बचें। हर कदम बहुत सोच-समझकर उठाएं। दफ्तर में अहंकार से बचें, वरना काम में असफलता या रुकावट आ सकती है। प्रशासनिक अधिकारी तनाव से बचें।

धनु राशि- चंद्रमा 3रे भाव में होने से पराक्रम बढ़ेगा और रिश्तेदारों व मित्रों से सहयोग मिलेगा। मार्केट में पार्टियों और ग्राहकों के साथ तालमेल बनाकर चलें। लीगल एडवाइजर की मदद से जटिल टैक्स नोटिस व सरकारी मामलों का आसानी से हल निकल जाएगा। ऑफिस में मन को एकाग्र रखें। सहकर्मियों के साथ गलतफहमी को सीनियर्स की मदद से सुलझाएं।

मकर राशि - चंद्रमा 2रे भाव में होने से धन संचय और फाइनेंस के मामलों में बड़ी सफलता मिलेगी। सही समय पर सरकारी औपचारिकताएं पूरी करें, वरना जुर्माना लग सकता है। आपकी रणनीतियां सफल होंगी, जिससे बिजनेस में मुनाफा का ग्राफ तेजी से बढ़ेगा। ऑफिस में

कुंभ राशि- चंद्रमा आपकी ही राशि में संचार करेंगे, जिससे मन शांत और प्रसन्नचित्त रहेगा। विदेश के बड़े इन्वेस्टर्स आपके इनोवेटिव आइडियाज देखकर बड़ा निवेश करने का प्रस्ताव दे सकते हैं। पैतृक कारोबार को संभालने के लिए ठोस योजना बनाएं। वर्कप्लेस पर किसी गलत काम का लालच मिले तो दूरी बनाएं। नेटवर्क विस्तार पर ध्यान दें, यह आपके भविष्य की सफलता की कुंजी है।

मीन राशि- चंद्रमा 12वें भाव में होने और चंद्र-राहु ग्रहण दोष के कारण अनजान लोगों से दूरी बनाएं। नए कारोबारी योजनाओं पर जल्दबाजी में निर्णय न लें। बिना सोचे-समझे पैसों का लेन-देन न करें, पेमेंट फंसने की आशंका है। ऑफिस में विरोधी आपके खिलाफ षड्यंत्र रच सकते हैं, सतर्क रहें। जीवनसाथी के साथ तालमेल बनाने का प्रयास करें और आलस्य से बचें।

मेडिकल के क्षेत्र में ये कोर्स कर पायें अच्छा वेतन

अगर आप मेडिकल फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं, क्षेत्र की बारीकियां सीखना चाहते हैं पर एमबीबीएस नहीं कर सकते तो तो ये शॉर्ट टर्म मेडिकल कोर्स कर अच्छा वेतन पा सकते हैं। मेडिकल के क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए आजकल नौकरियों की कोई कमी नहीं है।

1) सर्टिफिकेट इन फर्स्ट एड (6 महीने)

यह चिकित्सा क्षेत्र का सबसे छोटा और बुनियादी कोर्स है। इसमें आपातकालीन स्थितियों में प्राथमिक उपचार देने की ट्रेनिंग दी जाती है। दुर्घटनाओं, चोट लगने या अचानक बीमार पड़ने पर डॉक्टर के पास पहुंचने से पहले दी जाने वाली सहायता इसमें सिखाई जाती है। रेड क्रॉस जैसी संस्थाएं और कई सरकारी संस्थान मेडिकल से जुड़ा यह कोर्स कराते हैं।

2) डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी 2 साल

अगर आप लैब और टेस्टिंग में रुचि रखते हैं तो डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी अच्छा विकल्प हो सकता है। यह कोर्स 2 साल का होता है। इसमें खून, पेशाब और अन्य शारीरिक नमूनों की जांच करना सिखाया जाता है। आज के समय में बिना लैब रिपोर्ट के कोई भी इलाज संभव नहीं है, इसलिए इस क्षेत्र में नौकरियों की कमी नहीं है।

3) डिप्लोमा इन डायलिसिस टेक्नोलॉजी (1 से 2 साल)

किडनी रोगों के बढ़ते मामलों के कारण डायलिसिस टेक्नीशियन की मांग बहुत बढ़ी है. यह कोर्स कम समय में पूरा किया जा सकता है। इसमें स्टूडेंट्स को डायलिसिस मशीन ऑपरेट करने और मरीजों की देखभाल करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। सरकारी और निजी, दोनों तरह के हॉस्पिटल में इसके बाद अच्छी सैलरी वाली नौकरी मिल जाती है.

4) सर्टिफिकेट इन नर्सिंग असिस्टेंट (1 साल)

नर्सिंग क्षेत्र में जाने का यह सबसे छोटा रास्ता है। 1 साल के इस कोर्स में मरीजों की बुनियादी देखभाल, इंजेक्शन लगाना, बैंडेज करना और डॉक्टर की सहायता करना सिखाया जाता है। यह कोर्स उन लोगों के लिए बेहतरीन है जो सेवा भाव के साथ चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ना चाहते हैं। यह नर्सिंग कोर्स आपको जल्द से जल्द नौकरी दिलवा सकता है.

5) डिप्लोमा इन रेडियोलॉजी/एक्स-रे टेक्नोलॉजी (2 साल)

एक्स-रे, सीटी स्कैन और एमआरआई जैसे डायग्नॉस्टिक टूल्स के बिना मॉडर्न मेडिकल इंडस्ट्री अधूरी है। 2 साल का यह मेडिकल डिप्लोमा कोर्स आपको रेडियोलॉजी विभाग में कुशल टेक्नीशियन बना सकता है। छोटे क्लीनिक से लेकर बड़े मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल तक, हर जगह रेडियोलॉजिस्ट/एक्स-रे टेक्नीशियन की काफी डिमांड रहती है!

कुरकुरे और टेस्टी साबूदाना पोटैटो बॉल्स

साबूदाना रोस्ट करें और बारीक पीसें

सबसे पहले एक पैन में 1 कप साबूदाना लें। इसे धीमी से मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट के लिए सूखा ही भून लें ताकि इसकी नमी खत्म हो जाए। साबूदाना ठंडा होने के बाद इसे मिक्सर ग्राइंडर जार में डालें और एकदम बारीक व सॉफ्ट पाउडर पीस लें, जिससे यह आटे की तरह दिखेगा। इस रेसिपी में आपको साबूदाना भिगोने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

उबले आलू को मैश करें

अब एक बड़े बाउल में 2-3 उबले हुए आलू लें। पोटैटो मैशर या कद्दूकस की मदद से आलू को अच्छी तरह मैश कर लें ताकि उसमें कोई बड़ी गुठली या टुकड़ा न रहे। मैश किया हुआ आलू बॉल्स को बाइंडिंग और सॉफ्टनेस देने का काम करता है। मैश किए हुए आलू में पिसा हुआ साबूदाने का आटा डालें। इसके साथ ही भुनी हुई मूंगफली का पाउडर, हरी मिर्च और जीरे का दरदरा पेस्ट, स्वादानुसार व्रत का नमक यानी कि सेंधा नमक और बारीक कटा हुआ हरा धनिया मिलाएं। बाउल में मौजूद सभी सामग्रियों को हाथों से अच्छी तरह मिलाते हुए गूंथ लें, जब तक कि यह एक सॉफ्ट डो जैसा न बन जाए। अगर मिश्रण थोड़ा सूखा लगे, तो हल्का सा पानी का छींटा मारकर मिला सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे कि आटे ज्यादा गीला ना हो जाए। तैयार डो में से थोड़ा-थोड़ा मिश्रण अपने हाथों में लें और उन्हें गोल घुमाते हुए छोटे-छोटे नींबू के आकार के बॉल्स तैयार कर लें। इसी तरह पूरे मिश्रण से सुंदर और एक समान बॉल्स बनाकर प्लेट में रख लें। एक साथ बनाकर रखने से फ्राई करना आसान होगा।

पत्नी का दिल जीतना चाहते हैं?

शादी का रिश्ता प्यार, भरोसे और आपसी समझ पर टिका होता है। समय के साथ काम का दबाव, परिवार की जिम्मेदारियां और भागदौड़ रिश्ते पर भी असर डाल सकती है। ऐसे में अगर पति-पत्नी एक-दूसरे के लिए थोड़ा समय निकालें और छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखें, तो रिश्ता पहले से ज्यादा मजबूत बन सकता है। आइए जानते हैं आसान आदतों के बारे में, जो आपके रिश्ते में प्यार और अपनापन बढ़ाने में मदद कर सकती हैं।

ध्यान से सुनें उनकी बातें

जब आपकी पत्नी अपने दिनभर की बातें या किसी परेशानी के बारे में बताए, तो उनकी बात पूरी ध्यान से सुनें। बीच में टोके बिना उनकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें। कई बार सिर्फ किसी का साथ और ध्यान ही सबसे बड़ी खुशी देता है।

घर के कामों में करें मदद

रिश्ता तभी मजबूत बनता है, जब दोनों एक-दूसरे का साथ दें। अगर समय मिले, तो घर के छोटे-छोटे कामों में हाथ बंटाएं। रसोई, बच्चों की पढ़ाई या घर के दूसरे कामों में मदद करने से आपकी पार्टनर को अच्छा महसूस होगा और रिश्ते में सम्मान भी बढ़ेगा।

तारीफ करने में न करें देर

हर किसी को अपने काम की तारीफ सुनना अच्छा लगता है। अगर आपकी पत्नी ने कुछ अच्छा किया है, नया लुक अपनाया है या आपके लिए कोई खास कोशिश की है, तो उनकी दिल से तारीफ करें। आपके दो अच्छे शब्द उनके चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं।

उनकी पसंद और समय का करें सम्मान

हर व्यक्ति को अपने लिए थोड़ा समय चाहिए। अगर आपकी पत्नी अपने दोस्तों से मिलना चाहती हैं, कोई नया शौक अपनाना चाहती है या कुछ समय अकेले बिताना चाहती हैं, तो उनका साथ दें। इससे रिश्ते में भरोसा और समझ दोनों मजबूत होते हैं।

छोटे-छोटे सरप्राइज दें

प्यार जताने के लिए किसी खास दिन का इंतजार करना जरूरी नहीं है। कभी उनकी पसंद की मिठाई ले आएं, एक प्यारा-सा मैसेज भेज दें या साथ में चाय पीने का प्लान बना लें। ऐसे छोटे-छोटे पल रिश्ते में नई ताजगी लेकर आते हैं।

क्या कार्यस्थल पर आपका भोजन आपकी उत्पादकता तय कर सकता है?

कार्यस्थल पर उत्पादकता की चर्चा अक्सर तकनीक, नेतृत्व और कार्य संस्कृति तक सीमित रहती है, लेकिन एक महत्वपूर्ण पहलू जिस पर कम ध्यान दिया जाता है, वह है कर्मचारियों का दैनिक भोजन। वास्तव में, कर्मचारी क्या खाते हैं, इसका सीधा प्रभाव उनकी ऊर्जा, एकाग्रता और कार्यक्षमता पर पड़ता है।

सिला ग्रुप के वाइस प्रेसिडेंट ऋषिकेश धोडपकर ने बताया कि कार्यालयों, कारखानों और अन्य संस्थानों में लंबे समय तक काम करने वाले कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल का भोजन उनके दिन का सबसे महत्वपूर्ण आहार होता है। प्रोटीन, फाइबर और आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर भोजन लंबे समय तक ऊर्जा बनाए रखने में मदद करता है, जबकि अत्यधिक तैलीय और कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन थोड़ी देर के लिए ऊर्जा तो देता है, लेकिन बाद में थकान और सुस्ती का कारण बनता है। यही वजह है कि कई कर्मचारी दोपहर के बाद ऊर्जा में कमी महसूस करते हैं।

पौष्टिक भोजन केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि संगठन की कार्य संस्कृति को भी मजबूत बनाता है। स्वच्छ, सुरक्षित और संतुलित भोजन उपलब्ध कराने वाली कैफेटेरिया यह संदेश देती है कि संगठन अपने कर्मचारियों की भलाई को प्राथमिकता देता है। इससे कर्मचारियों की संतुष्टि, मनोबल और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता भी बढ़ती है।

भारत में संस्थागत फूड सर्विस तेजी से बदल रही है। अब केवल भोजन उपलब्ध कराना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि स्वाद, पोषण और गुणवत्ता के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। क्षेत्रीय स्वाद, संतुलित मात्रा, मौसमी सामग्री और मोटे अनाज (मिलेट्स) जैसे विकल्पों को मेनू में शामिल कर स्वस्थ और टिकाऊ भोजन व्यवस्था विकसित की जा रही है।

तकनीक भी इस बदलाव का अहम हिस्सा बन चुकी है। डिजिटल ऑर्डरिंग और उपभोग संबंधी डेटा के आधार पर मेनू को बेहतर बनाया जा सकता है, जिससे कर्मचारियों की पसंद के अनुरूप पौष्टिक विकल्प उपलब्ध हों और भोजन की बर्बादी भी कम हो। तेज और सुविधाजनक फूड सर्विस कर्मचारियों को स्वस्थ भोजन चुनने के लिए प्रेरित करती है। आज जब संगठन कर्मचारियों के समग्र कल्याण और बेहतर प्रदर्शन पर ध्यान दे रहे हैं, तब कार्यस्थल का भोजन एक रणनीतिक निवेश बन चुका है। कई बार उत्पादकता बढ़ाने की शुरुआत किसी नई तकनीक से नहीं, बल्कि एक संतुलित, पौष्टिक और गुणवतापूर्ण भोजन से होती है।

दुर्ग जिला अस्पताल में 4.85 करोड़ की लागत से बनेगा अत्याधुनिक सर्जिकल विंग

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने किया भूमिपूजन

दुर्ग। जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने आज जिला चिकित्सालय दुर्ग परिसर में सर्जिकल विंग प्रथम तल (फेस-2) के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस परियोजना पर 4 करोड़ 85 लाख 43 हजार रुपये की लागत आएगी।

कार्यक्रम में नगर निगम सभापति श्याम शर्मा, छत्तीसगढ़ तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी, सिविल सर्जन डॉ. आशिष मिंज सहित अन्य वरिष्ठ चिकित्सक, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता ए.के. भट्टाचार्य एवं अन्य अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

7 आधुनिक पेइंग रूम और अत्याधुनिक सुविधाएं

भूमिपूजन के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री गजेंद्र यादव ने अवगत कराया कि नए भवन में 7 पेइंग रूम बनाए जाएंगे, जहां मरीजों और उनके परिजनों को निजी अस्पताल जैसी सुविधाएं मिलेंगी। इसके अलावा दो वेटिंग हॉल, सेंट्रलाइज्ड एयर कंडीशनिंग, टीवी सहित आधुनिक सुविधाओं की व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि लंबे समय से जिला अस्पताल में पेइंग वार्ड नहीं होने के कारण मरीजों को परेशानी होती थी। अब डिलीवरी के बाद यदि कोई परिवार जच्चा-बच्चा को डॉक्टरों की निगरानी में सुरक्षित वातावरण में रखना चाहता है, तो उसे अलग पेइंग रूम की सुविधा उपलब्ध होगी। मंत्री यादव ने बताया कि करीब 15 वर्ष पहले जिला अस्पताल में पेइंग वार्ड संचालित होता था, जहां शहर के कई परिवार अपने मरीजों और प्रसूताओं को भर्ती कराते थे। उस समय अलग किचन और अन्य विशेष सुविधाएं भी उपलब्ध थीं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में मरीजों और प्रसव कराने आने वाली महिलाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन पेइंग वार्ड की सुविधा समाप्त हो चुकी थी। सरकार बनने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री से इस सुविधा को फिर शुरू करने की मांग की थी, जिसे अब स्वीकृति मिल गई है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि नए पेइंग वार्ड में मरीजों को होटल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे वे अस्पताल परिसर में ही डॉक्टरों की निगरानी में सुरक्षित रह सकेंगे और परिजनों को भी बेहतर व्यवस्था मिलेगी। उन्होंने जल्द ही अस्पताल में अलग एमआरआई सेंटर तथा सीटी स्कैन सेंटर स्थापित किए जाने का आश्वासन दिया।

सावन की सौगात : भिलाई-चरौदा निगम के स्वास्थ्य कर्मचारियों को मिले रेनकोट, बारिश में सुरक्षित रहकर करेंगे जनसेवा

स्टेट बैंक ऑफइंडिया के छस्क्र मद से वितरित किए गए रेनकोट, महापौर निर्मल कोसरे, सभापति कृष्णा चंद्राकर और आयुक्त डी.एस. राजपूत की मौजूदगी में हुआ कार्यक्रम

भिलाई-चरौदा। सावन माह के प्रथम दिन भिलाई-चरौदा नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के महिला एवं पुरुष कर्मचारियों को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (छस्क्र) मद के अंतर्गत रेनकोट वितरित किए गए। निगम परिसर में आयोजित कार्यक्रम में महापौर निर्मल कोसरे, सभापति कृष्णा चंद्राकर, आयुक्त डी.एस. राजपूत, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा निगम के स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बारिश के मौसम में नगर की स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी प्रतिदिन मैदान में कार्य करते हैं। लगातार वर्षा के दौरान उन्हें कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

इसी को ध्यान में रखते हुए कर्मचारियों को सुरक्षा और सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से रेनकोट उपलब्ध कराए गए, ताकि वे प्रतिकूल मौसम में भी बिना किसी बाधा के अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें। इस अवसर पर महापौर निर्मल कोसरे ने कहा कि निगम के स्वास्थ्य कर्मचारी शहर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं। चाहे तेज धूप हो या मूसलाधार बारिश, ये कर्मचारी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्व निभाते हैं। ऐसे कर्मठ कर्मचारियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, ÷सावन के पहले दिन कर्मचारियों को रेनकोट उपलब्ध कराना केवल सामग्री वितरण नहीं, बल्कि उनके प्रति सम्मान और संवेदनशीलता का प्रतीक है। बारिश के दौरान स्वच्छता कार्य प्रभावित न हो और कर्मचारियों को भीगने से होने वाली परेशानियों एवं मौसमी संक्रमण से बचाया जा सके, यही इस पहल का उद्देश्य है। निगम भविष्य में भी कर्मचारियों के हित में ऐसे कल्याणकारी प्रयास करता रहेगा।÷

संविदा ईई की नियुक्ति पर उठे सवाल,नियुक्ति निरस्त करने की मांग,पूर्व पार्षद ने सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव। वरिष्ठ कांग्रेस नेता, इंदिरा नगर के पूर्व पार्षद तथा पूर्व एमआईसी सदस्य राजेश कुमार चंपू ने नगर निगम में कार्यपालन अभियंता (ईई) के संविदा पद पर यू.के. रामटेके की नियुक्ति पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराते हुए जिला प्रशासन एवं शासन से इस नियुक्ति को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग की है। चंपू ने कहा कि नगर निगम पहले से ही आर्थिक संकट से जूझ रहा है। नियमित अधिकारियों एवं कर्मचारियों, विशेषकर सफाई कर्मियों सहित अन्य कर्मचारियों को समय पर वेतन उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ऐसे समय में, जब कार्यपालन अभियंता के पद पर शासन द्वारा पदस्थ अधिकारी दीपक खांडे कार्यरत हैं, उसी पद पर संविदा नियुक्ति किया जाना प्रशासनिक औचित्य एवं वित्तीय अनुशासन दोनों पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा व्यय नियंत्रण एवं स्थापना व्यय कम करने के निर्देश समय-समय पर जारी किए जाते रहे हैं। इसके बावजूद, पहले से पदस्थ अधिकारी के रहते हुए समान पद पर संविदा नियुक्ति किया जाना शासन की मंशा एवं वित्तीय अनुशासन के विपरीत प्रतीत होता है। चंपू ने यह भी कहा कि इस नियुक्ति की प्रक्रिया को लेकर नगर निगम कर्मचारियों एवं आम नागरिकों के बीच विभिन्न प्रकार की चर्चाएं एवं संदेह उत्पन्न हो रहे हैं। इसलिए आवश्यक है कि नियुक्ति की संपूर्ण प्रक्रिया की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, जिससे पारदर्शिता बनी रहे और किसी प्रकार की भ्रांति समाप्त हो सके। उन्होंने कहा कि निगम कर्मचारियों को प्रत्येक माह समय पर वेतन उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। यदि निगम की वित्तीय स्थिति कमजोर है तो अनावश्यक संविदा नियुक्तियों से बचते हुए उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर्मचारियों के हित एवं जनसेवा में किया जाना चाहिए।

गौशाला पिंजरापोल सेवा, समर्पण और जनसहभागिता का आदर्श केंद्र : रमन सिंह

चिकित्सा परिसर के लोकार्पण और गौचारा परिसर के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए विस अध्यक्ष और कृषि मंत्री

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह गुरूवार को गौशाला पिंजरापोल में नवीन गौछाया परिसर के लोकार्पण तथा चिकित्सा परिसर एवं गौचारा परिसर के भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने राज्य शासन की ओर से गौशाला के विकास के लिए 75 लाख रूपए की राशि उपलब्ध कराने की घोषणा की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विकास एवं पशुपालन विकास मंत्री रामविचार नेताम ने की। इस अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव तथा राज्य गौ सेवा आयोग छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष विशेषर सिंह पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि राजनांदगांव को संस्कारधानी इसलिए कहा जाता है, जब कोई घटना हो जाती है। उस घटना से एक बड़ा निर्णय निकल कर आता है, जो गौ माता के संवर्धन और संरक्षण के लिए होता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1904 में एक मार्मिक घटना के बाद स्वर्गीय रामलाल चोपड़ा ने गौशाला स्थापना का संकल्प लिया और समाज के सहयोग से इसकी शुरूआत हुई। आज 122 वर्षों की यह यात्रा जनसेवा, गौसंवर्धन और समाज की सहभागिता का प्रेरणादायी उदाहरण बन गई है। उन्होंने कहा कि गौशाला पिंजरापोल केवल गौशाला नहीं, बल्कि एक पवित्र तीर्थस्थल है, जहां समाज की आस्था और सेवा भावना का अद्भुत संगम दिखाई देता है।

प्रदेश की सबसे सशक्त एवं समृद्ध गौशालाओं में शामिल

उन्होंने गौशाला के विकास में भूमि, संसाधन एवं आर्थिक सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं का उल्लेख करते हुए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से यह गौशाला प्रदेश की सबसे सशक्त एवं समृद्ध गौशालाओं में शामिल है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने नागरिकों से गौसेवा में नियमित सहभागिता का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक परिवार अपनी सामर्थ्य के अनुसार गौशाला से जुड़े और गौसंरक्षण के इस पुण्य कार्य में योगदान दें।

गौरवशाली इतिहास वाली गौशाला कम देखने को मिलती है: नेताम

कृषि विकास एवं पशुपालन विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि इतनी समृद्ध परंपरा और 122 वर्षों के गौरवशाली इतिहास वाली गौशाला बहुत कम देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि यहां समाज का जुड़ाव, दानदाताओं की सहभागिता तथा गौसेवा के प्रति लोगों की संवेदनशीलता अनुकरणीय है। उन्होंने गौधाम योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य शासन गौसंरक्षण एवं गौसेवा को और अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। मंत्री रामविचार नेताम ने गौशाला में संचालित चिकित्सा सुविधाओं, पशु उपचार, शल्य चिकित्सा तथा प्रस्तावित आधुनिक पशु चिकित्सा सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि यह मॉडल प्रदेश के अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगा।

संकुल स्तरीय बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर जोर, सरपंच रवि सिंगौर ने मितानिनों से घर-घर जागरूकता फैलाने की अपील की

अमलेश्वर। विकासखंड पाटन अंतर्गत उप-स्वास्थ्य केंद्र सांकरा में संकुल स्तरीय बैठक का आयोजन ग्राम सांकरा स्थित उप-स्वास्थ्य केंद्र में किया गया। बैठक में ग्राम पंचायत सांकरा के युवा सरपंच रवि सिंगौर सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी एवं मितानिन बहनें उपस्थित रहीं। बैठक को संबोधित करते हुए सरपंच रवि सिंगौर ने कहा कि वर्तमान मौसम को देखते हुए गांव में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं बेहतर बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने मितानिनों से घर-घर जाकर लोगों को मौसमी बीमारियों, स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल, मलेरिया, डेंगू तथा अन्य संक्रामक रोगों के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति में बुखार, सर्दी-खांसी या अन्य गंभीर लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क कर उचित उपचार सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही गर्भवती महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण पर विशेष ध्यान देने की अपील की। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों, टीकाकरण अभियान, पोषण, स्वच्छता तथा रोग नियंत्रण संबंधी आवश्यक जानकारी साझा की। मितानिन बहनों ने भी ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाने के अपने अनुभव साझा किए।

अंत में स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुंचाने तथा ग्रामवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी ने आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

धान खरीदी केन्द्रों में अव्यवस्था, बारिश में सड़ रही भूसी और बारदाना, जिम्मेदारों पर उठे सवाल

पाटन। दुर्ग जिले के अंतर्गत आने वाले कई धान खरीदी केन्द्रों में इन दिनों अव्यवस्था का आलम देखने को मिल रहा है। सूखे की मार के बीच अब धान खरीदी के बाद बची भूसी और बारदाने के रखरखाव को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आ रही है। बारिश के कारण खुले में पड़ी भूसी सड़ने और पानी में बहने की स्थिति में है, वहीं हजारों की संख्या में बारदाना भी भीगकर खराब हो रहा है।

इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा अब तक ठोस पहल नहीं की गई है। ऐसी ही स्थिति धान खरीदी केन्द्र बठेना सिकोला में देखने को मिली, जहां भूसी खुले में पड़ी हुई है और लगातार बारिश से खराब हो रही है। वहीं बड़ी मात्रा में रखा गया बारदाना भी बारिश में भीग रहा है। यह बारदाना आगे उपयोग के योग्य है या नहीं, यह जांच का विषय बन गया है। जानकारी के अनुसार, जिन समितियों में धान खरीदी के लिए चबूतरे का निर्माण किया गया था, वहां भूसी को चबूतरे पर रखा गया है। लेकिन कई सोसाइटियों में अब तक न तो चबूतरा बन पाया है और न ही शेड का निर्माण हो सका है। ऐसी जगहों पर पूरी भूसी खुले में पड़ी हुई है और बारिश में सड़ रही है, जिससे भारी आर्थिक नुकसान की आशंका जताई जा रही है। धान खरीदी पूर्ण हुए लगभग छह माह बीत जाने के बाद भी भूसी और बारदाने के सुरक्षित रखरखाव की व्यवस्था नहीं होना विभागीय कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रहा है। वर्तमान में वर्षा ऋतु चल रही है, ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि क्या पूरी भूसी खराब हो जाने के बाद ही उसे सुरक्षित स्थान पर रखा जाएगा? सहकारिता विभाग के जनपद पंचायत सभापति पाटन खेमलाल देशलहरा ने भी इस मामले पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि धान खरीदी समाप्त होने के बाद भूसी और बारदाने का सुरक्षित ढंग से रखरखाव किया जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। वर्जनः भारी बारिश के कारण भूसी का रखरखाव नहीं हो पाया है। मौसम साफ होने पर भूसी को सुरक्षित किया जाएगा। खुले में रखा हुआ बारदाना खराब है।

निर्माण कार्यों में तेजी और सफाई व्यवस्था पर सख्त हुईं निगम आयुक्त, विकास कार्यों का किया मैदानी निरीक्षण

अनुष्ठा रेसिडेंसी, अयप्पा नगर, आमा तालाब, फौजी नगर और आईटीआई का दौरा कर अधिकारियों को दिए समयबद्ध कार्य एवं स्वच्छता के निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुश्री सुरूचि सिंह ने गुरुवार को शहर के विभिन्न विकास कार्यों, प्रस्तावित निर्माण स्थलों, तालाबों, सफाई व्यवस्था तथा आईटीआई परिसर में संचालित कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल (सीएनसी) कार्य का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए सभी विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नियमित एवं प्रभावी सफाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। आयुक्त ने सबसे पहले अनुष्ठा रेसिडेंसी में कॉलोनी विकास शुल्क मद से कराए जा रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने और तय समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि कॉलोनीवासियों को जल्द से जल्द आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इसके बाद आयुक्त ने अयप्पा नगर में प्रस्तावित विकास कार्य स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थल की स्थिति का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ कराने के निर्देश दिए, जिससे क्षेत्रवासियों को समय पर सुविधाओं का लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान आयुक्त कोहका स्थित आमा तालाब भी पहुंचीं, जहां उन्होंने तालाब और उसके आसपास की स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा तालाब परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके बाद आयुक्त ने वार्ड क्रमांक-24 फौजी नगर में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने क्षेत्र में कचरा फेंकने एवं अवैध रूप से डम्पिंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए ऐसे लोगों पर भारी जुर्माना लगाने के आदेश दिए।

उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।आयुक्त ने आईटीआई परिसर में संचालित कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल (सीएनसी) कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा प्रशिक्षण एवं संचालन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने पर बल दिया।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने 9 नामांकित एल्डरमेनों को दिलाई शपथ, जनसेवा एवं विकास के लिए निभाएंगे दायित्व

शिक्षामंत्री गजेंद्र यादव,महापौर अल्का बाघमार एवं जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ एल्डरमेनों का शपथ ग्रहण समारोह

-सभी 9 एल्डरमेनो के चेहरों पर नई जिम्मेदारी मिलने की खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था,

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग शासन द्वारा नामांकित 9 एल्डरमेनों का शपथ ग्रहण उत्साह समारोह श्रद्धेय मोतीलाल वोरा सभागार में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए प्रदेश के शिक्षामंत्री गजेंद्र यादव, अतिथि के रूप में महापौर श्रीमती अल्का बाघमार,राज्य तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार साहू,कलेक्टर अभिजीत सिंह,भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक,सभापति श्याम शर्मा, प्रभारी आयुक्त मोहेंद्र साहू सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह ने शासन द्वारा नामांकित सभी 9 एल्डरमेनों नरेश तेजवानी,कांतिलाल जैन,मदन बड़ई, अनूप सोनी, तुलसी यादव, दशरथ निर्मलकर, गौरव शर्मा, तेखन सिन्हा एवं चमेली साहू को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। सभी एल्डरमेनों ने एक साथ शपथ लेकर नगर के विकास, जनहित एवं नागरिकों की सेवा के लिए पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करने का संकल्प लिया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि शिक्षामंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना तथा नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करना प्रत्येक जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है। उन्होंने नव-नामांकित एल्डरमेनों को शुभकामनाएँ देते हुए नगर के समग्र विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।महापौर श्रीमती अल्का बाघमार ने कहा कि शासन द्वारा नामांकित एल्डरमेनों के अनुभव एवं सुझावों से नगर निगम की कार्यप्रणाली और अधिक सशक्त होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी एल्डरमेन नगर के विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार एवं जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएंगी।उन्होंने नव-नामांकित एल्डरमेनों को शुभकामनाएँ देते हुए नगर के समग्र विकास में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। सभापति श्याम शर्मा ने कहा कि नगर निगम का प्रत्येक जनप्रतिनिधि विकास की कड़ी है। सभी के सामूहिक प्रयासों से दुर्ग शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं सुविधायुक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने नव-शपथ ग्रहण करने वाले एल्डरमेनों को शुभकामनाएँ देते हुए जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। नवनिर्वाचित 9 एल्डरमेन शपथ ग्रहण समारोह में पूरे उत्साह और उमंग के साथ अपने-अपने परिवारजनों एवं समर्थकों के साथ पहुंचे। इस अवसर पर सभी एल्डरमेन के चेहरों पर नई जिम्मेदारी मिलने की खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था।शपथ ग्रहण के अवसर पर जनप्रतिनिधियों, परिजनों एवं शुभचिंतकों ने सभी एल्डरमेन को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पूरे समारोह का वातावरण उत्साह, गरिमा और उल्लास से परिपूर्ण रहा। कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, लीना दिनेश देवांगन, नरेंद्र बंजारे, शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, काशीराम कोसरे, निकेश अग्रवाल, मनीष साहू, शशि साहू।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com